1. भाषा और व्याकरण

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) भाषा किसे कहते हैं?

भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा हम बोलकर या लिखकर दूसरों तक अपने विचार एवं भाव पहुँचाते हैं।

(ख) भाषा के कितने रूप हैं? उनके बारे में संक्षेप में लिखिए।

भाषा के दो रूप हैं – मौखिक और लिखित।

मौखिक भाषा – बोलकर अपनी बात समझाना तथा सुनकर दूसरों की बात समझना मौखिक भाषा कहलाता है।

लिखित भाषा – लिखकर अपनी बात समझाना तथा पढ़कर दूसरों की बात समझना लिखित भाषा कहलाता है।

(ग) हिंदी दिवस कब मनाया जाता है?

हिंदी दिवस 14 सितंबर को मनाया जाता है।

(घ) लिपि भाषा के लिए आवश्यक क्यों है?

मुँह से निकली ध्वनियों को लिखकर प्रकट करने वाले निश्चित चिह्नों को लिपि कहते हैं। भाषा के एक निश्चित एवं स्थायी आधार के लिए लिपि आवश्यक है।

(ङ) भाषा को समझने के लिए व्याकरण का ज्ञान ज़रूरी है। कैसे?

व्याकरण हमें भाषा को शुद्ध रूप में बोलने, लिखने तथा पढ़ने के नियम बताता है। इसलिए भाषा को समझने के लिए व्याकरण का ज्ञान आवश्यक है।

2. चित्र देखिए और भाषा का रूप लिखिए।

मौखिक

मौखिक

लिखित

3. इनमें से कौन-सी क्रियाएँ लिखित भाषा हैं?

(क) मित्र को पत्र लिखना ☑

(ख) अखबार पढ़ना ☑

(ग) कक्षा में वर्तनी शुद्ध करना ☑

(घ) माँ का सहेलियों से बातें करना ☐

4. उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) भावों और विचारों के आदान-प्रदान के साधन को **भाषा** कहते हैं।

(ख) जब बात बोली-सुनी जाती है, तब उस भाषा-रूप को **मौखिक** भाषा कहते हैं।

(ग) राज-काज की भाषा **राजभाषा** कहलाती है।

(घ) एक से अधिक भाषाओं की एक **लिपि** हो सकती है।

(ङ) भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराने वाला शास्त्र **व्याकरण** कहलाता है।

5. इनमें से सही कथन पर सही (✓) का निशान लगाइए।

(क) हिंदी भारत की एकमात्र भाषा है। ☐

(ख) मौखिक ध्वनियों को लिखकर प्रकट करने के साधन को लिपि कहते हैं। ☑

(ग) संस्कृत की लिपि फ़ारसी है। ☐

(घ) व्याकरण भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है। ☑

6. भाषा को उसकी लिपि से मिलाइए।

भाषा	लिपि
(क) हिंदी	अरबी-फ़ारसी
(ख) पंजाबी	रोमन
(ग) अंग्रेज़ी	देवनागरी
(घ) उर्दू	गुरमुखी

बहुविकल्पी प्रश्न

7. उचित विकल्प चुनिए।

(क) लिखित भाषा के लिए निश्चित ध्वनि चिह्नों को कहते हैं–

(i) लिपि ☑ (ii) व्याकरण ☐ (iii) बोली ☐ (iv) वर्ण ☐

(ख) व्याकरण के कितने भाग हैं?

(i) दो ☐ (ii) चार ☐ (iii) पाँच ☐ (iv) तीन ☑

(ग) किस भाषा की लिपि देवनागरी नहीं है?

(i) हिंदी ☐ (ii) मराठी ☐ (iii) पंजाबी ☑ (iv) नेपाली ☐

रचनात्मक गतिविधि

पहेली – संस्कृत एक भाषा का नाम है। इसी प्रकार, कुछ भाषाओं के नाम नीचे दिए गए हैं लेकिन उनके नामों में वर्णों का क्रम उलट-पलट गया है। उन्हें ठीक करके लिखिए।

(क) धी सिं	सिंधी
(ख) रा म ठी	मराठी
(ग) लु ते गु	तेलुगु
(घ) स अ या मि	असमिया
(ङ) ल मि त	तमिल
(च) न्न ड़ क	कन्नड़

2. वर्ण विचार

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) वर्ण किसे कहते हैं? वर्णों के मुख्य दो भेद कौन-से हैं?

भाषा की वह मूल इकाई, जिसके और खंड न किए जा सकें, वर्ण कहलाती है। वर्णों के दो मुख्य भेद हैं – स्वर और व्यंजन।

(ख) स्वर के भेदों के नाम लिखते हुए दो-दो उदाहरण भी दीजिए।

स्वर दो प्रकार के होते हैं – ह्रस्व स्वर तथा दीर्घ स्वर

ह्रस्व स्वर – इन स्वरों के उच्चारण में कम समय लगता है; जैसे– अ, इ।

दीर्घ स्वर – इनके उच्चारण में ह्रस्व स्वर से दोगुना समय लगता है; जैसे– आ, ई।

(ग) स्वर और व्यंजनों में क्या अंतर होता है और क्यों?

स्वर अपने आप में स्वतंत्र ध्वनियाँ हैं। इनके बोलने में किसी अन्य ध्वनि की सहायता नहीं लेनी पड़ती। इनके उच्चारण में हवा मुँह में बिना टकराए बाहर आती है जबकि व्यंजन वर्णों के उच्चारण में स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है। इनको बोलते समय हवा मुँह के भीतर टकराकर बाहर आती है।

(घ) ह्रस्व और दीर्घ स्वरों की संख्या कितनी है?

ह्रस्व स्वर चार हैं – अ, इ, उ, ऋ।

दीर्घ स्वर सात हैं – आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

(ङ) अंतस्थ और ऊष्म व्यंजन कौन-से हैं? लिखिए।

अंतस्थ व्यंजन – य र ल व

ऊष्म व्यंजन – श ष स ह

2. निम्नलिखित में से जो कथन सही है, उस पर (✓) लगाइए।

(क) स्वर पूरी तरह से स्वतंत्र ध्वनियाँ नहीं हैं। ☐

(ख) अं और अः मूल स्वर नहीं हैं। ☑

(ग) क्ष, त्र, ज्ञ, श्र संयुक्ताक्षर हैं। ☐

(घ) र में उ-ऊ की मात्रा नीचे लगती है। ☐

3. 'ऋ' की मात्रा लगाकर शब्द पूरे कीजिए।

(क)	कपा	**कृपा**	(ख)	अमत	**अमृत**
(ग)	गह	**गृह**	(घ)	वक्ष	**वृक्ष**
(ङ)	मग	**मृग**	(च)	नप	**नृप**

4. र के रूप से सही शब्द बनाइए।

(क)	वत	**व्रत**	(ख)	परिवतन	**परिवर्तन**
(ग)	पदीप	**प्रदीप**	(घ)	राष्टीय	**राष्ट्रीय**
(ङ)	आयन	**आर्यन**	(च)	सहस	**सहस्र**
(छ)	टक	**ट्रक**	(ज)	वणन	**वर्णन**
(झ)	कायकम	**कार्यक्रम**	(ञ)	अनथ	**अनर्थ**

5. नीचे लिखे शब्दों में अनुस्वार और अनुनासिक के चिह्न लगाइए।

(क)	बासुरी	**बाँसुरी**	(ख)	बधन	**बंधन**
(ग)	माद	**माँद**	(घ)	आगन	**आँगन**
(ङ)	सारग	**सारंग**	(च)	कुआ	**कुआँ**
(छ)	गगा	**गंगा**	(ज)	अहकार	**अहंकार**
(झ)	गवाना	**गँवाना**	(ञ)	चदन	**चंदन**

6. दिए गए शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए।

(क) **भावना** – भ् + आ + व् + अ + न् + आ

(ख) **वृंद** – व् + ऋ + न् + द् + अ

(ग) **स्वतंत्र** – स् + व् + अ + त् + अ + न् + त् + र् + अ

(घ) **महात्मा** – म् + अ + ह् + आ + त् + म् + आ

(ङ) **विद्यालय** – व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ

7. दिए गए शब्दों में सही स्थान पर नुक्ता लगाइए।

(क)	जरूर	**ज़रूर**	(ख)	तोहफा	**तोहफ़ा**
(ग)	तकलीफ	**तकलीफ़**	(घ)	फायदा	**फ़ायदा**
(ङ)	सफेद	**सफ़ेद**	(च)	जमीन	**ज़मीन**

बहुविकल्पी प्रश्न

8. उचित विकल्प चुनिए।

(क) निम्नलिखित में से कौन-सा वर्ण स्वर नहीं है?

(i) औ ☐ (ii) ऋ ☐ (iii) ञ ☑ (iv) ई ☐

(ख) वर्णमाला में 'ह' वर्ण कहलाता है–

(i) ऊष्म ☑ (ii) स्पर्शी ☐ (iii) अंतस्थ ☐ (iv) संयुक्त ☐

(ग) य, र, ल, व हैं–

(i) संयुक्त व्यंजन ☐ (ii) ऊष्म व्यंजन ☐

(iii) संयुक्ताक्षर ☐ (iv) अंतस्थ व्यंजन ☑

(घ) हिंदी वर्णमाला में व्यंजनों की संख्या कितनी है?

(i) तैंतीस ☑ (ii) पैंतीस ☐ (iii) ग्यारह ☐ (iv) बत्तीस ☐

रचनात्मक गतिविधि

इस वर्ग पहेली में अनुस्वार, अनुनासिक, ऋ की मात्रा, र के रूप वाले, संयुक्त व्यंजन, द्वित्व वर्ण एवं संयुक्ताक्षर के प्रयोग से बने 16 शब्द छिपे हैं। उन्हें ढूँढ़िए तथा लिखिए।

अँधेरा
परिश्रम
राष्ट्रीयता
कृपण
नम्रता
उत्सर्ग
घमंड
कंगन
स्वतंत्र
नक्षत्र
गद्दार
गाँव
श्रवण
पत्र
गद्दा
तंग
स्वर्ग
पतंग

अँ	धे	रा	प	रि	श्र	म
क	च	ष्ट्री	त्र	गाँ	व	न
छ	ङ	य	कृ	प	ण	व
न	म्र	ता	स्व	तं	त्र	र
ल	उ	त्स	र्ग	ग	प	ब
घ	मं	ड	ग	द्दा	र	ण
कं	ग	न	क्ष	त्र	ढ	द

समझिए और करिए

अब इन शब्दों को शब्दकोश के क्रमानुसार लिखिए।

कुआँ बंदर खजाना आग चाय

क्षमा पोटली शरद माली

आग कुआँ क्षमा खजाना चाय पोटली बंदर माली शरद

3. शब्द-विचार

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) शब्द की परिभाषा दीजिए।

वर्णों का सार्थक समूह शब्द कहलाता है।

(ख) शब्दों को किन-किन आधारों पर बाँटा जाता है?

शब्दों को बाँटने के चार प्रमुख आधार हैं–

1. उत्पत्ति का आधार
2. रचना का आधार
3. प्रयोग का आधार
4. अर्थ का आधार

(ग) तत्सम शब्द किन्हें कहते हैं? तीन उदाहरण भी दीजिए।

संस्कृत भाषा के ऐसे शब्द जो हिंदी में भी उसी रूप में प्रयुक्त होते हैं जिस रूप में संस्कृत में प्रयुक्त होते थे, 'तत्सम शब्द' कहलाते हैं; जैसे– क्षेत्र, रात्रि, दुर्बल आदि।

(घ) तद्भव शब्द कैसे बनते हैं? किन्हीं चार तत्सम शब्दों से तद्भव शब्द बनाइए।

जब संस्कृत के शब्द कुछ बदलाव के साथ हिंदी में प्रयोग किए जाने लगते हैं तो वे तद्भव शब्द कहलाते हैं; जैसे– पत्र – पत्ता, कंटक – काँटा, दंत – दाँत, कर्ण – कान

(ङ) रूढ़ शब्द से आप क्या समझते हैं? पाँच रूढ़ शब्द लिखिए।

ऐसे शब्द जिनके सार्थक टुकड़े नहीं हो सकते तथा जो एक ही अर्थ में प्रयुक्त होते हैं रूढ़ शब्द कहलाते हैं; जैसे – पानी, पुस्तक, गिलास, चाय, अलमारी आदि।

(च) विकारी और अविकारी शब्दों में क्या अंतर है?

जिन शब्दों में लिंग, वचन तथा कारक के बदलने से परिवर्तन हो जाता है, उन्हें विकारी शब्द कहते हैं तथा जिन शब्दों में लिंग, वचन तथा कारक के बदलने से कोई परिवर्तन नहीं आता, उन्हें अविकारी या अव्यय कहा जाता है। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया शब्द विकारी होते हैं तथा क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधबोधक और विस्मयादिबोधक शब्द अविकारी होते हैं।

2. रचना के आधार पर निम्नलिखित शब्दों के भेद लिखिए।

(क) गाय **रूढ़ शब्द** (ख) नीला **रूढ़ शब्द**

(ग) हवा **रूढ़ शब्द** (घ) महर्षि **यौगिक शब्द**

(ङ) नीलकंठ **योगरूढ़ शब्द** (च) हवादार **यौगिक शब्द**

(छ) दशानन **योगरूढ़ शब्द** (ज) गुणवान **यौगिक शब्द**

(झ) हिमालय **योगरूढ़ शब्द** (ञ) पुस्तक **रूढ़ शब्द**

3. उचित शब्द का प्रयोग करके रिक्त स्थान भरिए।

(क) **अविकारी** शब्दों में लिंग, वचन या कारक के बदलने से कोई परिवर्तन नहीं होता है। (विकारी/अविकारी)

(ख) जो शब्द एक से अधिक अर्थपूर्ण शब्दों से बनते हैं, वे **यौगिक** शब्द कहलाते हैं। (यौगिक/योगरूढ़)

(ग) तत्सम शब्दों के बदले हुए रूप को **तद्भव** शब्द कहते हैं। (देशज/तद्भव)

(घ) 'पीत' का तद्भव रूप **पीला** है। (पत्ता/पीला)

(ङ) उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के **चार** भेद हैं। (पाँच/चार/सात)

4. दिए गए तत्सम शब्दों के तद्भव शब्द लिखिए।

(क) क्षेत्र **खेत** (ख) गर्दभ **गधा**

(ग) कंटक **काँटा** (घ) कर्ण **कान**

(ङ) घृत **घी** (च) हस्ती **हाथी**

5. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। उन्हें पहचानकर विकारी और अविकारी के सामने लिखिए।

आप	उधर	कविता	पुस्तक	वाह	धीरे
	और	स्वप्न	बंधु	शाबाश	

(क) **विकारी** – आप, कविता, पुस्तक, स्वप्न, बंधु

(ख) **अविकारी** – उधर, वाह, धीरे, और, शाबाश

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) हिंदी में क्षेत्रीय बोलियों और लोक भाषाओं से आए शब्द कहलाते हैं–

(i) तत्सम ☐ (ii) तद्भव ☐ (iii) देशज ☑ (iv) विदेशी ☐

(ख) हिंदी भाषा में इनमें से किस विदेशी भाषा के शब्द नहीं हैं?

(i) फ़ारसी ☐ (ii) अरबी ☐

(iii) स्वीडिश ☑ (iv) अंग्रेज़ी ☐

(ग) 'कल' शब्द है–

(i) निरर्थक ☐ (ii) योगरूढ़ ☐

(iii) अनेकार्थी ☑ (iv) यौगिक ☐

(घ) इनमें से अर्थ के आधार पर शब्द भेद नहीं है–

(i) अनेकार्थी ☐ (ii) तद्भव ☑

(iii) विलोम ☐ (iv) पर्यायवाची ☐

(ङ) क्रियाविशेषण शब्द कहलाते हैं–

(i) विकारी ☐ (ii) तत्सम ☐

(iii) अविकारी ☑ (iv) देशज ☐

(च) 'अस्थि' शब्द का तद्भव रूप है–

(i) हड्डी ☑ (ii) आस्था ☐ (iii) स्थिर ☐ (iv) हाथ ☐

रचनात्मक गतिविधि

दी गई शब्द-सीढ़ी को दिए गए संकेतों की सहायता से पूरा कीजिए।

1. ल, प, क वर्णों के मेल से बना सार्थक शब्द
2. एक पक्षी के लिए प्रयुक्त तत्सम
3. 'भाग्य' के लिए प्रयुक्त होने वाला समानार्थी आगत शब्द

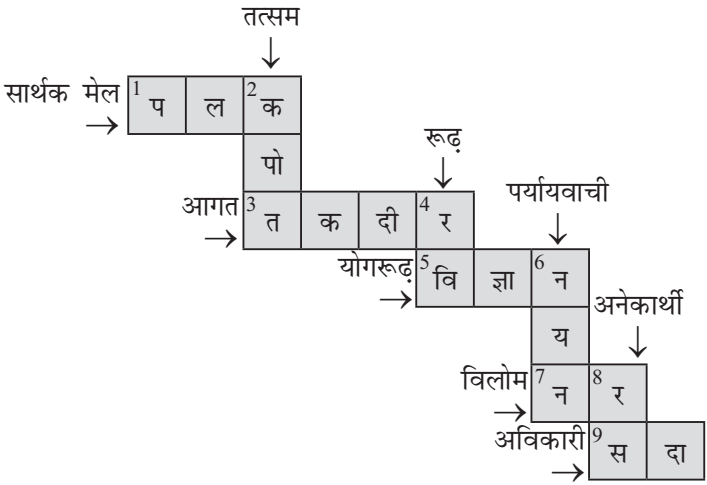

4. 'सूर्य' के लिए रूढ़ शब्द

5. ज्ञान की विशेष बातें बताने वाला विषय

6. 'आँख' का पर्यायवाची

7. 'नारी' का विलोम

8. स्वाद, आनंद, प्रेम, फल के निचोड़ का अर्थ देने वाला शब्द

9. एक अव्यय, जो 'हमेशा' के अर्थ में आता है।

4. संज्ञा

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) संज्ञा की परिभाषा अपने शब्दों में दीजिए।

किसी भी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

(ख) संज्ञा के कितने भेद हैं? प्रत्येक का नाम लिखते हुए दो-दो उदाहरण दीजिए।

संज्ञा के तीन भेद हैं–

(i) व्यक्तिवाचक संज्ञा (किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का नाम) – नीलम, ताजमहल आदि व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्द हैं।

(ii) जातिवाचक संज्ञा (किसी जाति का बोध कराने वाले शब्द)– लड़की, गाँव आदि जातिवाचक संज्ञा शब्द हैं।

(iii) भाववाचक संज्ञा (भाव, दशा, गुण-दोष आदि के नाम वाले शब्द) – कड़वाहट, घबराहट, बचपन आदि भाववाचक संज्ञा शब्द हैं।

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा और जातिवाचक संज्ञा के रूप में क्या अंतर है?

व्यक्तिवाचक संज्ञा द्वारा किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध होता है। तथा जातिवाचक संज्ञा द्वारा किसी व्यक्ति, वस्तु आदि की पूरी जाति का बोध होता है।

(घ) भाववाचक संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए।

जिन शब्दों से किसी व्यक्ति, वस्तु का गुण-दोष, स्थिति, अवस्था, दशा या भाव का बोध हो, वे भाववाचक संज्ञा होती हैं। जैसे– बुढ़ापा, सुंदरता, खुशी आदि।

2. इन भाववाचक संज्ञाओं का निर्माण किन शब्दों से हुआ है, लिखिए।

(क)	मनुष्यता	**मनुष्य**	(ख)	एकता	**एक**
(ग)	बुढ़ापा	**बूढ़ा**	(घ)	थकावट	**थकान**
(ङ)	सर्वस्व	**सर्व**	(च)	अपनापन	**अपना**
(छ)	उदासी	**उदास**	(ज)	समानता	**समान**
(झ)	कसाव	**कसना**	(ञ)	छपाई	**छाप**

3. कोष्ठक में दिए गए शब्दों की भाववाचक संज्ञाओं से रिक्त स्थान भरिए।

(क) आजकल लोगों में **अपनापन** नहीं रह गया। (अपना)

(ख) पढ़ाई को **गंभीरता** से लिया करो। (गंभीर)

(ग) सुदामा-कृष्ण की **मित्रता** जग प्रसिद्ध है। (मित्र)

(घ) मेहनत करने पर **सफलता** अवश्य मिलती है। (सफल)

4. निम्नलिखित वाक्यों में संज्ञा शब्द रेखांकित करके लिखिए।

(क) रेवती एक छोटे से गाँव में रहती है। **रेवती, गाँव**

(ख) विजय की माँ केरल से आई हैं। **विजय, माँ, केरल**

(ग) पिता जी ने मोहना की उदासी का कारण पूछा। **पिता जी, मोहना, उदासी**

(घ) हँसी सबसे अच्छी दवा मानी जाती है। **हँसी, दवा**

(ङ) मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल है। **मध्य प्रदेश, राजधानी, भोपाल**

(च) नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं। **नरेंद्र मोदी, भारत, प्रधानमंत्री**

5. दिए गए शब्दों की भाववाचक संज्ञा लिखिए।

(क) नेक	**नेकी**	(ख) वीर	**वीरता**
(ग) गहरा	**गहराई**	(घ) सर्व	**सर्वस्व**
(ङ) रोना	**रुलाई**	(च) दौड़ना	**दौड़**

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) क्रिया से बनने वाली भाववाचक संज्ञा है –

(i) गहराई ☐ (ii) कटाई ☑ (iii) भक्ति ☐ (iv) चतुराई ☐

(ख) जातिवाचक संज्ञा का उदाहरण है –

(i) राष्ट्र ☑ (ii) आपा ☐

(iii) लड़कपन ☐ (iv) वीरता ☐

(ग) 'आम' फल किस संज्ञा का उदाहरण है –

(i) भाववाचक ☐ (ii) समूहवाचक ☐

(iii) व्यक्तिवाचक ☐ (iv) जातिवाचक ☑

(घ) विशेषण से बनने वाली भाववाचक संज्ञा है–

(i) सरलता ☑ (ii) छपाई ☐ (iii) भक्ति ☐ (iv) अहंकार ☐

रचनात्मक गतिविधि

गद्यांश पढ़िए और व्यक्तिवाचक, जातिवाचक एवं भाववाचक संज्ञा शब्द छाँटकर अलग लिखिए।

बहुत समय पहले की बात है। एक छोटे-से गाँव में एक निर्धन किसान रहता था। उसकी तीन पुत्रियाँ थीं– बिन्ना, फ्लोना और सुंदरी। बिन्ना और फ्लोना बहुत महत्त्वाकांक्षी थीं। वे किसान से कभी सोने की अँगूठी माँगतीं तो कभी मोतियों के हार। सूती कपड़े पहनना उन्हें पसंद नहीं था। वे सदैव रेशमी कपड़ों की माँग करतीं।

किसान उनके इस व्यवहार से बहुत दुखी था, परंतु तीसरी पुत्री सुंदरी, बिन्ना और फ्लोना से बिलकुल विपरीत थी। उसकी आदतें भी उन दोनों से अलग थीं। वह किसी को दुखी नहीं देख सकती थी। उसे सबकी मदद करना अच्छा लगता था। एक दिन किसान ने शहर जाकर कुछ ज़रूरी चीज़ें खरीदने का निश्चय किया। उसने तीनों बेटियों को बुलाकर कहा–"देखो, मैं ज़रूरी सामान खरीदने शहर जा रहा हूँ, बताओ, मैं तुम्हारे लिए वहाँ से क्या लेकर आऊँ?" बिन्ना और फ्लोना ने अपनी आदत के अनुसार सोने-चाँदी की चीज़ें लाने को कहा। पर सुंदरी ने सिर्फ़ गुलाब का फूल लाने के लिए कहा। किसान मुसकराकर शहर की ओर चला गया।

जातिवाचक संज्ञा – गाँव, किसान, पुत्रियाँ, अँगूठी, हार, कपड़े, दिन, शहर, चीज़ें, बेटियों, सामान, फूल।

व्यक्तिवाचक संज्ञा – बिन्ना, फ्लोना, सुंदरी, सोने, मोतियों, सोने-चाँदी, गुलाब।

भाववाचक संज्ञा – समय, बात, व्यवहार, पसंद, आदतें, मदद, निश्चय।

5. लिंग

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) व्याकरण में लिंग का क्या महत्व है?

पुरुष एवं स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द व्याकरण में लिंग कहलाते हैं। लिंग द्वारा ही किसी व्यक्ति, वस्तु के स्त्री या पुरुष जाति के होने का पता चलता है।

(ख) लिंग के भेदों को उदाहरण के साथ समझाइए।

हिंदी भाषा में लिंग के दो भेद हैं–

(i) **पुल्लिंग** – शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष जाति के होने का बोध हो, उसे पुल्लिंग कहते हैं; जैसे – लड़का, गधा, कुत्ता आदि।

(ii) **स्त्रीलिंग** – शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री जाति के होने का बोध हो, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं; जैसे – दादी, लड़की, बिल्ली आदि।

(ग) निर्जीव वस्तुओं के लिंग की पहचान कैसे की जाती है?

निर्जीव वस्तुओं के लिंग की पहचान क्रिया एवं विशेषण से होती है।

2. निम्नलिखित शब्दों का लिंग परिवर्तन कीजिए –

(क)	कवि	**कवयित्री**	(ख)	गायक	**गायिका**
(ग)	सम्राज्ञी	**सम्राट**	(घ)	अध्यापिका	**अध्यापक**
(ङ)	विद्वान	**विदुषी**	(च)	कोयल	**नर कोयल**
(छ)	वर	**वधू**	(ज)	नायिका	**नायक**
(झ)	धोबी	**धोबिन**	(ञ)	हिरणी	**हिरण**
(ट)	शेर	**शेरनी**	(ठ)	स्वामी	**स्वामिनी**

3. निम्नलिखित शब्दों का लिंग लिखिए।

(क)	मानव	**पुल्लिंग**	(ख)	खुशी	**स्त्रीलिंग**
(ग)	जुलाई	**स्त्रीलिंग**	(घ)	प्राण	**पुल्लिंग**
(ङ)	आँसू	**पुल्लिंग**	(च)	आँख	**पुल्लिंग**
(छ)	कान	**पुल्लिंग**	(ज)	पुस्तक	**स्त्रीलिंग**

4. निम्नलिखित वाक्यों के लिंग बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए।

(क) पिता जी आ गए हैं। **माता जी आ गई हैं।**

(ख) धावक तेज़ दौड़ा। **धाविका तेज़ दौड़ी।**

(ग) धोबी ने कपड़े धोए। **धोबिन ने कपड़े धोए।**

(घ) गायक ने गीत सुनाए। **गायिका ने गीत सुनाए।**

(ङ) कवि कविता सुना रहा है। **कवयित्री कविता सुना रही है।**

(च) हमारे देश में अनेक वीरांगना हुई हैं। **हमारे देश में अनेक वीर हुए हैं।**

(छ) गाँव में एक साधु आए। **गाँव में एक साधवी आईं।**

5. निम्नलिखित शब्दों में से स्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग शब्दों को अलग करके लिखिए।

पुरुष सज़ा हंस प्यास दानव ध्यान ज्ञान
चाबी ज़मीन यकीन हालत क्षत्राणी

(क) **पुल्लिंग** – पुरुष, हंस, दानव, ध्यान, ज्ञान, यकीन

(ख) **स्त्रीलिंग** – सज़ा, प्यास, चाबी, ज़मीन, हालत, क्षत्राणी

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) 'कवि' शब्द का स्त्रीलिंग शब्द है –

(i) कवियत्री ☐ (ii) कविता ☐ (iii) कवित्री ☐ (iv) कवयित्री ☑

(ख) 'विदुषी' शब्द का पुल्लिंग शब्द है–

(i) विदुर ☐ (ii) विद्वान ☑ (iii) विदूषक ☐ (iv) विदूष ☐

(ग) 'आत्मजा' का विपरीत लिंग वाला शब्द है –

(i) आत्मज ☑ (ii) आत्मा ☐ (iii) आत्मजन ☐ (iv) आत्म ☐

रचनात्मक गतिविधि

गद्यांश में आए रंगीन शब्दों के विपरीत लिंग लिखकर वाक्य पूरे कीजिए।

एक दिन **सेठ** और **सेठानी** तीर्थ यात्रा पर गए। उनके साथ उनका **बेटा** और **बेटी** भी गए। सेठ घर की देखरेख के लिए पड़ोस के **ठाकुर** और **ठकुराइन** को बोल गए। तीर्थ यात्रा में वे एक सराय में ठहरे जहाँ उन्हें एक **बूढ़ा-बुढ़िया**

मिले। वे असहाय थे, अतः सेठ के परिवार ने उनकी बहुत सेवा की। सेठ के परिवार की सेवा से खुश होकर सेठ को उन्होंने एक **लुटिया** दी और कहा इसे साधारण **लोटा** मत समझना। यह तुम्हारी हर मनोकामना पूरी करेगा। सराय का **मालिक** और **मालकिन** ये सारी बातें सुन रहे थे। उनके मन में लालच आ गया। **तपस्वी-तपस्विनी** का वेश बनाकर सेठ के पास जा पहुँचे और भिक्षा माँगी। सेठानी खाना और कुछ पैसे देने लगी, लेकिन उन **पति-पत्नी** ने चालाकी से वह लोटा भी भिक्षा में माँगा। सेठ ने कुछ सोचा और लोटा उन्हें दे दिया।

6. वचन

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) वचन की परिभाषा दीजिए।

जो शब्द व्यक्ति, वस्तु, स्थानादि के एक या अनेक होने का बोध कराएँ, उन्हें वचन कहते हैं।

(ख) वचन के कितने भेद हैं? प्रत्येक के तीन-तीन उदाहरण लिखिए।

वचन के दो भेद हैं–

1. **एकवचन –** शब्द के जिस रूप से किसी वस्तु, व्यक्ति, स्थानादि की संख्या केवल 'एक' होने का बोध हो, उसे 'एकवचन' कहते हैं; जैसे – नदी, बालक, पक्षी।
2. **बहुवचन –** शब्द के जिस रूप से किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थानादि की संख्या 'एक से अधिक' होने का बोध हो, उसे 'बहुवचन' कहते हैं; जैसे – कुत्ते, नदियाँ, बिल्लियाँ।

(ग) सदा एकवचन एवं सदा बहुवचन में प्रयुक्त होने वाले पाँच-पाँच शब्द लिखिए।

सदा एकवचन में प्रयुक्त होने वाले शब्द – भीड़, जनता, पुलिस, मिठास, घबराहट

सदा बहुवचन में प्रयुक्त होने वाले शब्द – दर्शन, प्राण, आँसू, हस्ताक्षर, लोग

2. निम्नलिखित शब्दों का वचन लिखिए।

(क)	प्राण	**बहुवचन**	(ख)	गुड़ियाँ	**बहुवचन**
(ग)	ऋतु	**एकवचन**	(घ)	जनता	**एकवचन**
(ङ)	महिला	**एकवचन**	(च)	गुरुजन	**बहुवचन**

3. दिए गए शब्दों के वचन बदलकर लिखिए।

(क)	लहरें	**लहर**	(ख)	छात्र	**छात्रगण**
(ग)	बाला	**बालाएँ**	(घ)	घोड़ा	**घोड़े**
(ङ)	टोपियाँ	**टोपी**	(च)	डलिया	**डलियाँ**

(छ) नेता **नेतागण** (ज) कमरा **कमरे**

(झ) दुआ **दुआएँ** (ञ) तारा **तारे**

4. निम्नलिखित वाक्यों में वचन संबंधी अशुद्धियाँ दूर करके वाक्य पुनः लिखिए।

(क) पिता जी ने हस्ताक्षर कर दिया। पिता जी ने हस्ताक्षर कर दिए।

(ख) महात्मा गांधी सबका प्रिय हैं। महात्मा गांधी सबके प्रिय हैं।

(ग) पंडित जी ने तीन कथा सुनाईं। पंडित जी ने तीन कथाएँ सुनाईं।

(घ) चरवाहा सारी गाय चराने ले गया। चरवाहा सारी गायें चराने ले गया।

(ङ) भारतीय सेनाएँ ने शत्रु को भगा दिया। भारतीय सेना ने शत्रु को भगा दिया।

5. आदर के लिए एकवचन की जगह बहुवचन का प्रयोग किया जाता है। ऐसे पाँच वाक्य लिखिए, जिनमें ऐसा प्रयोग किया गया हो।

(क) पिता जी अखबार पढ़ रहे हैं।

(ख) प्रतिभा पाटिल देश की प्रथम महिला राष्ट्रपति बनीं।

(ग) गुरु जी आ गए।

(घ) नानी जी कहानी सुना रही हैं।

(ङ) नेताजी विमान दुर्घटना में अकाल मृत्यु को प्राप्त हो गए।

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) 'बुढ़िया' का सही बहुवचन है –

(i) बुढ़ियाएँ ☐ (ii) बुढ़ियाओं ☐ (iii) बुढ़ियाँ ☑ (iv) बुढ़िया ☐

(ख) पुल्लिंग शब्दों के अंत में 'आ' होने पर बहुवचन बनाने के लिए 'आ' बदलता है –

(i) ए में ☑ (ii) एँ में ☐ (iii) याँ में ☐ (iv) इयाँ में ☐

(ग) 'पुस्तक' शब्द प्रयोग होता है –

(i) एकवचन में ☑ (ii) बहुवचन में ☐

(iii) दोनों में ☐ (iv) कोई नहीं ☐

रचनात्मक गतिविधि

नीचे कविता का एक अंश दिया गया है। इसमें आए रंगीन शब्दों के वचन बदलकर कविता दोबारा लिखिए।

मिट्टी से **पौधा** निकला	**मिट्टी से पौधे निकले**
पौधे पर **एक** फूल खिला,	**पौधे पर कई फूल खिले,**
उसे हवा ने सहलाया,	**उन्हें हवाओं ने सहलाया,**
चिड़ियों ने गाना गाया।	**चिड़िया ने गाना गाया।**
तारा कौन **उगाता** है,	**तारे कौन उगाते हैं,**
धरती कौन सजाता है,	**धरती कौन सजाता है,**
बादल कौन बनाता है,	**बादलों को कौन बनाता है,**
कोई नहीं **बताता** है।	**कोई नहीं बताते हैं।**

7. कारक

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) कारक किसे कहते हैं?

संज्ञा या सर्वनाम का क्रिया के साथ संबंध बताने वाले चिह्न कारक कहलाते हैं। कारक को परसर्ग या विभक्ति भी कहते हैं।

(ख) कारक के कितने भेद हैं? उनके एक-एक उदाहरण भी लिखिए।

कारक के आठ भेद हैं–

1. कर्ता कारक (ने) – लोमड़ी ने चालाकी दिखाई।
2. कर्म कारक (को) – आपको कहाँ जाना है?
3. करण कारक (से) – चाकू से सब्ज़ी काटो।
4. संप्रदान कारक (को, के लिए) – मधु के लिए खिलौने लाओ।
5. अपादान कारक (से – अलग होने का भाव) – पेड़ से पत्ते गिरे।
6. संबंध कारक (का, के, की/रा, रे, री) – तुम्हारे पास आम हैं।
7. अधिकरण कारक (में, पर) – कमरे में बिल्ली है।
8. संबोधन कारक (हे, अरे, ओ) – हे प्रभु! गरीब सुदामा की पुकार सुनो।

(ग) कर्म कारक और संप्रदान कारक में अंतर बताइए।

कर्म कारक और संप्रदान कारक दोनों की विभक्ति 'को' है। परंतु कर्म कारक में 'को' क्रिया का फल कर्म पर दिखाता है जबकि संप्रदान कारक में 'को' विभक्ति से कुछ देने या करने के भाव का पता चलता है।

कर्म कारक – मधु ने कुसुम को गिरा दिया।

संप्रदान कारक – मधु ने कुसुम को सेब दिया।

(घ) करण कारक और अपादान कारक में क्या अंतर है?

करण कारक और अपादान कारक दोनों का विभक्ति चिह्न 'से' है। करण कारक में 'से' विभक्ति क्रिया के साधन को बताती है तथा अपादान कारक में 'से' विभक्ति अलग होने का या तुलना आदि का भाव प्रकट करती है।

(ङ) अपादान कारक क्या कार्य करता है?

अपादान कारक संज्ञा या सर्वनाम के किसी वस्तु से अलग होने के भाव को प्रकट करता है;

जैसे – प्रभा साइकिल से गिर गई। मनु कार से उतर गई।

2. इन वाक्यों में कर्म और संप्रदान कारक पहचानकर लिखिए।

(क) मैंने राम को पुस्तक दी। **संप्रदान कारक**

(ख) रोहित को मिठाई लाकर दो। **संप्रदान कारक**

(ग) मछली को भोजन दो। **संप्रदान कारक**

(घ) आपको पढ़ना है। **कर्म कारक**

3. निम्नलिखित वाक्यों में आए कारकों को उनके नाम से मिलाइए।

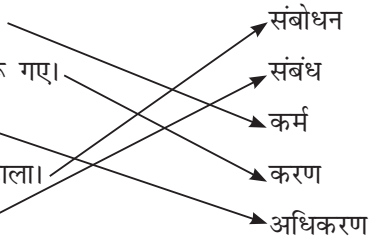

4. इन वाक्यों में रंगीन पदों के कारक का नाम लिखिए।

(क) आप बस **से** आए हैं। **करण कारक**

(ख) वह पेड़ **पर** चढ़ गई है। **अधिकरण कारक**

(ग) तुम्हा**री** बहन कहाँ है? **संबंध कारक**

(घ) घड़ी **की** सुई रुक गई। **संबंध कारक**

(ङ) **अरे!** तुमने क्या बात कही है। **संबोधन कारक**

(च) बच्चा पलंग **से** गिर गया। **अपादान कारक**

बहुविकल्पी प्रश्न

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) बंदूक से गोली चली। – वाक्य में कारक है –

(i) करण ☐ (ii) अपादान ☑ (iii) संप्रदान ☐ (iv) संबंध ☐

(ख) अधिकरण कारक से पता चलता है क्रिया का –

(i) स्थान [✓] (ii) कर्ता [ ] (iii) संबंध [ ] (iv) साधन [ ]

(ग) संप्रदान कारक का चिह्न है –

(i) में [ ] (ii) से [ ] (iii) के लिए [✓] (iv) के [ ]

(घ) क्रिया का प्रभाव संज्ञा या सर्वनाम पर डालने वाला कारक है –

(i) कर्म [✓] (ii) कर्ता [ ] (iii) अपादान [ ] (iv) अधिकरण [ ]

रचनात्मक गतिविधि

चित्र देखिए और इससे संबंधित 8-10 वाक्य लिखिए। वाक्यों में आए कारकों को रेखांकित भी कीजिए।

मैं अपने भाई के साथ मेला देखने गई। मेला बहुत बड़े मैदान में लगा हुआ था। चारों ओर खेल-खिलौनों और मिठाइयों की दुकानें सजी हुई थीं। मेले में तरह-तरह के झूले लगे हुए थे। मैं भी अपने भाई के साथ झूले में झूली। फिर मैंने एक गुब्बारेवाला देखा। उसके पास रंग-बिरंगे बहुत सारे गुब्बारे थे। मेरे भाई ने मुझे नारंगी रंग का सबसे सुंदर गुब्बारा दिलवाया। हमने मिठाइयाँ भी लीं। फिर हम घर लौट आए।

8. सर्वनाम

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) सर्वनाम की परिभाषा लिखिए। उदाहरण भी दीजिए।

संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं; जैसे – मैं, तुम, यह, वे आदि।

(ख) सर्वनाम के सभी भेदों के नाम लिखिए। एक-एक उदाहरण भी दीजिए।

1. पुरुषवाचक सर्वनाम – मैं, हम, तुम, आप, वे
2. निश्चयवाचक सर्वनाम – यह
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम – किसी
4. प्रश्नवाचक सर्वनाम – क्या
5. संबंधवाचक सर्वनाम – जिसने-उसने
6. निजवाचक सर्वनाम – स्वयं

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम के भेद उदाहरण सहित लिखिए।

पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद हैं–

1. उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम – मैं
2. मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम – तुम
3. अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम – वे

(घ) निश्चयवाचक और अनिश्चयवाचक सर्वनाम में क्या अंतर है?

जो सर्वनाम शब्द दूर या पास की किसी वस्तु या व्यक्ति के बारे में निश्चयपूर्वक कुछ बताएँ, वे निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। इसके विपरीत जो सर्वनाम शब्द किसी अनिश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध कराते हैं, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

2. संज्ञा शब्दों की जगह उचित सर्वनामों का प्रयोग कर वाक्य दोबारा।

(क) **रवि रवि के लिए नई कमीज़ लाया।**

रवि अपने लिए नई कमीज़ लाया।

(ख) **माधव मोहित को मोहित के चाचा जी के बारे में बता रहा है।**

माधव मोहित को उसके चाचा जी के बारे में बता रहा है।

(ग) **पिता जी के साथ पिता जी के मित्र शाम को घर आए।**

पिता जी के साथ उनके मित्र शाम को घर आए।

(घ) **अनुराधा अनुराधा के पिता जी के साथ मॉल गई।**

अनुराधा अपने पिता जी के साथ मॉल गई।

3. अशुद्ध सर्वनाम शब्दों की जगह शुद्ध सर्वनाम लिखिए।

(क) तुम कौन से बात कर रहे थे?	तुम **किससे** बात कर रहे थे?
(ख) मैं मैच जीत गए।	**हम** मैच जीत गए।
(ग) दाल में कोई गिर गया है।	दाल में **कुछ** गिर गया है।
(घ) वे से बात करना व्यर्थ है।	**उनसे** बात करना व्यर्थ है।
(ङ) मैं मुझे जाकर सीख लूँगा।	मैं **स्वयं** जाकर सीख लूँगा।

4 उचित सर्वनाम द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

शादीराम पंडित थे। वे दिल के बुरे न थे। लाला सदानंद उनके यजमान थे। वे यजमान का ऋण चुकाना चाहते थे। पैसे जमा करते लेकिन कुछ न कुछ आकस्मिक खर्च निकल आता। जैसे-तैसे किसी तरह रुपये जोड़े। अचानक उनका बेटा बीमार पड़ गया। सारा रुपया उसकी बीमारी में खर्च हो गया।

5. निम्नलिखित वाक्यों में आए सर्वनामों को रेखांकित करके उनके भेद लिखिए।

(क) उसे पकड़ो।	**अन्य पुरुषवाचक**
(ख) कोई आ तो नहीं गया होगा।	**अनिश्चयवाचक**
(ग) आप क्या खा रहे हैं?	**प्रश्नवाचक**
(घ) जैसा करोगे, वैसा फल पाओगे।	**संबंधवाचक**

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) 'स्वयं' सर्वनाम के किस भेद में आता है?

(i) निजवाचक	☑	(ii) पुरुषवाचक	☐
(iii) निश्चयवाचक	☐	(iv) संबंधवाचक	☐

(ख) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम है –

(i) उनका ☐ (ii) तुम्हारा ☑ (iii) हमारा ☐ (iv) इनका ☐

(ग) किसके बदलने पर सर्वनाम बदल जाता है?

(i) संज्ञा ☐ (ii) लिंग ☑ (iii) क्रिया ☐ (iv) कारक ☐

रचनात्मक गतिविधि

घड़े में सर्वनाम शब्द रखे हैं। घड़े से सर्वनाम शब्दों को निकालकर उन्हें उनके भेद के सामने लिखिए।

पुरुषवाचक – तुम्हारी, हमारी, आपमें

निश्चयवाचक – यह, इससे, उसको

अनिश्चयवाचक – किन्हीं

प्रश्नवाचक – किनका, कौन

संबंधवाचक – जो-सो

निजवाचक – अपने-आप

9. विशेषण

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) विशेषण किसे कहते हैं? विशेषण और विशेष्य में क्या अंतर है?

संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं तथा जिन शब्दों (संज्ञा/सर्वनाम) की वे विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेष्य कहते हैं।

(ख) विशेषण के भेद बताइए।

विशेषण के चार भेद हैं–

1. गुणवाचक विशेषण
2. संख्यावाचक विशेषण
3. परिमाणवाचक विशेषण
4. सार्वनामिक विशेषण

(ग) गुणवाचक विशेषण किनके बारे में बताता है?

गुणवाचक विशेषण संज्ञा या सर्वनाम के गुण-दोष, रूप-रंग, आकार-प्रकार, अवस्था, स्वभाव तथा स्थान आदि के बारे में बताता है।

(घ) विशेषण की अवस्था की पहचान कैसे की जाती है?

विशेषण की अवस्था की पहचान करने के लिए ध्यान देना चाहिए– मूलावस्था में विशेषण शब्द अपने मूल रूप में होता है। उत्तरावस्था में मूल विशेषण शब्द के साथ 'तर' जुड़ा रहता है तथा उत्तमावस्था में मूल विशेषण शब्द के साथ 'तम' जुड़ा रहता है।

2. निम्नलिखित विशेष्यों के लिए दो-दो विशेषण शब्द लिखिए।

बड़ा	भारी	संदूक	लाल	तीखी	मिर्च
काले	लंबे	बाल	साफ़	चौड़ी	सड़क
ऊँची	पक्की	दीवार	खतरनाक	बड़ा	शेर

3. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण रेखांकित कीजिए और उसके भेद का नाम लिखिए।

(क) <u>छोटा</u> बच्चा सो रहा है। **गुणवाचक विशेषण**

(ख) <u>वे</u> पेड़ <u>हमारे</u> बगीचे में हैं। **सार्वनामिक विशेषण**

(ग) मित्र! <u>दो दिन</u> बाद चलेंगे। **निश्चित संख्यावाचक**

(घ) इसे भयानक साँप ने डस लिया। **गुणवाचक विशेषण**

(ङ) थोड़ा दही खिलाओ। **अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण**

4. कोष्ठक में से उचित विशेषण चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(क) इतना **सुंदर** दृश्य था कि देखने से मन ही नहीं भरा। (भयानक, सुंदर, बड़ा)

(ख) उसकी जेब में **इतने** पैसे थे कि वह एक खिलौना खरीद सकती थी। (कितने, इतने, कुछ)

(ग) **कठिन** परिश्रम से ही सफलता मिलती है। (बड़ा, कठिन, थोड़ा)

(घ) **यह** घर कितना आकर्षक है! (थोड़ा, यह, बुरा)

(ङ) मैंने **दस किलो** आलू खरीदे। (दस किलो, खराब, गंदे)

5 निम्नलिखित खानों में छूटे शब्द भरिए।

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
सुंदर	सुंदरतर	सुंदरतम
मधुर	मधुरतर	मुधरतम
कोमल	कोमलतर	कोमलतम
लघु	लघुत्तर	लघुत्तम

6. सही कथन पर (✓) तथा गलत पर (✗) लगाइए।

(क) विशेषणों की रचना क्रियाओं से नहीं की जा सकती। ✗

(ख) दोष बताना गुणवाचक विशेषण में आता है। ✓

(ग) सर्वनाम शब्द का प्रयोग सार्वनामिक विशेषण के रूप में हो सकता है। ✓

(घ) संख्यावाचक विशेषण और परिमाणवाचक विशेषण दोनों में ही संख्या होती है। ✗

(ङ) अनिश्चित संख्यावाचक और अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण में कोई अंतर नहीं है। ✗

बहुविकल्पी प्रश्न

7. उचित विकल्प चुनिए।

(क) गुणवाचक विशेषण किसके बारे में नहीं बताता?

(i) गुण के ☐ (ii) आकार के ☐

(iii) भाव के ☐ (iv) संख्या के ☑

(ख) 'ज्ञानी' विशेषण का मूल है –

(i) क्रिया ☐ (ii) सर्वनाम ☐ (iii) संज्ञा ☑ (iv) अव्यय ☐

(ग) 'नाप' का बोध कराने वाला विशेषण-भेद है –

(i) संख्यावाचक ☐ (ii) गुणवाचक ☐

(iii) परिमाणवाचक ☑ (iv) सार्वनामिक ☐

(घ) विशेषण की _____ अवस्थाएँ होती हैं।

(i) दो ☐ (ii) तीन ☑ (iii) चार ☐ (iv) पाँच ☐

रचनात्मक गतिविधि

ढोल में दिए गए विशेषण और विशेष्य शब्दों का मिलान करते हुए उचित कॉलम में लिखिए।

विशेषण	विशेष्य
शास्त्रीय	गायन
लालची	सेठ
ऊँची	छत
डेढ़ किलो	आलू
वीर	योद्धा
रंगीन	कपड़ा
कड़वी	ककड़ी
पिछला	दरवाज़ा
पालतू	बिल्ली
खुले	पैसे
काफ़ी	खाना

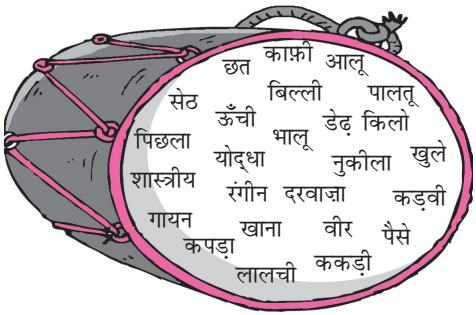

10. क्रिया

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) क्रिया से आप क्या समझते हैं? उदाहरण सहित बताइए।

किसी कार्य के करने या होने का बोध कराने वाले शब्द क्रिया कहलाते हैं; जैसे– चलना, उड़ना, बनाना, रोना, खेलना आदि।

(ख) आप वाक्य में सकर्मक क्रिया की पहचान कैसे करेंगे?

वाक्य में सकर्मक क्रिया की पहचान करने के लिए 'क्या' लगाकर प्रश्न करना चाहिए, यदि प्रश्नों का उत्तर मिले तो क्रिया सकर्मक होगी और यदि कोई उत्तर न मिले तो अकर्मक।

जैसे – उसने मुझे सेब दिया। क्या दिया? – सेब

अत: इस वाक्य की क्रिया, सकर्मक क्रिया है।

(ग) सकर्मक क्रिया के भेदों के बारे में बताइए।

सकर्मक क्रिया के दो भेद हैं–

1. एककर्मक क्रिया – एक कर्म वाली क्रिया – मधु ने चाय पी।
2. द्विकर्मक क्रिया – दो कर्म वाली क्रिया – नानी ने मुझे कहानी सुनाई।

(घ) द्विकर्मक क्रिया की पहचान कैसे की जा सकती है?

द्विकर्मक क्रिया की पहचान के लिए वाक्य की क्रिया के साथ क्या तथा किसे लगाकर प्रश्न करने पर यदि दोनों प्रश्नों का उत्तर मिले तो क्रिया द्विकर्मक होगी।

2. निम्नलिखित वाक्यों में कर्म को रेखांकित कीजिए।

(क) कर्ण ने मैच जीता। (ख) किसान ने फ़सल काटी।

(ग) बालक को नींद आ रही है। (घ) चंदन रोज़ पतंग उड़ाता है।

(ङ) मछुआरे ने नदी में जाल बिछाया। (च) तनु ने साबुन से कपड़े धोए।

3. कोष्ठक में दी धातु के उचित क्रिया रूप से वाक्य पूरे कीजिए।

(क) मुझे हॉकी **खेलना** पसंद है। (खेल)

(ख) तोता मिर्च **खाता** है। (खा)

(ग) अध्यापक ने सबको **बैठने** को कहा। (बैठ)

(घ) बच्चे छत पर **पढ़ाई** कर रहे हैं। (पढ़)

(ङ) नीलिमा को कल दिल्ली **जाना** है। (जा)

(च) मीनू ने किरण को उपहार **दिया**। (देना)

(छ) माँ ने स्वेटर **बुना**। (बुनना)

(ज) सिपाही बहादुरी से **लड़ा**। (लड़)

4. लिखिए, इन वाक्यों की क्रियाएँ सकर्मक हैं या अकर्मक।

(क) हिरण दौड़ रहा है। **अकर्मक**

(ख) नेता ने मंत्रियों को दावत दी। **सकर्मक**

(ग) बच्चा टॉफ़ी खा रहा है। **सकर्मक**

(घ) बगीचे में फूल खिले हैं। **सकर्मक**

(ङ) निधि सो रही है। **अकर्मक**

(च) रूपा ज़ोर-से हँसी। **अकर्मक**

(छ) बंदर उछल रहा है। **अकर्मक**

(ज) ड्राइवर गाड़ी चला रहा है। **सकर्मक**

5. लिखिए, इन वाक्यों की क्रियाएँ एककर्मक हैं या द्विकर्मक।

(क) हलवाई ने ग्राहक को जलेबी दी। **द्विकर्मक**

(ख) माली पौधे लगा रहा है। **एककर्मक**

(ग) दादी जी टी॰वी॰ देख रही हैं। **एककर्मक**

(घ) मंत्री जी भाषण दे रहे हैं। **एककर्मक**

(ङ) माँ बच्चे को लोरी सुना रही हैं। **द्विकर्मक**

(च) बिल्ली चूहे को पकड़ रही है। **एककर्मक**

(छ) माँ ने रमन को पैसे दिए। **द्विकर्मक**

(ज) पिता जी तैयार हो रहे हैं। **एककर्मक**

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) किस क्रिया का प्रभाव सीधे कर्ता पर पड़ता है?

(i) एककर्मक	☐	(ii) सकर्मक	☐
(iii) द्विकर्मक	☐	(iv) अकर्मक	☑

(ख) किस वाक्य में अकर्मक क्रिया नहीं है?

(i) बच्चा रोया।	☐	(ii) रानी खेली।	☐
(iii) मैं सो गया।	☐	(iv) पतंग उड़ी।	☑

(ग) द्विकर्मक क्रिया में कितने कर्म होते हैं?

(i) एक	☐	(ii) दो	☑
(iii) एक भी नहीं	☐	(iv) कई	☐

रचनात्मक गतिविधि

चित्र में क्या-क्या क्रियाएँ हो रही हैं, लिखिए।

चित्र में क्रियाएँ हो रही हैं– दो लड़के फुटबॉल से खेल रहे हैं। दो लड़कियाँ उड़नश्तरी एक-दूसरे की ओर उछालकर खेल रही हैं। दो लड़के बोट चला रहे हैं। एक लड़की एक नाव को चप्पू से चलाकर ले जा रही है।

11. काल

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) काल किसे कहते हैं? उदाहरण देकर समझाइए।

क्रिया के करने या होने के समय को काल कहते हैं; जैसे – माँ टहल रही हैं। गोपाल ने दूध पी लिया था। मनु कल आगरा जाएगी।

(ख) काल के सभी भेदों के नाम उदाहरण सहित लिखिए।

काल के तीन भेद हैं – वर्तमान काल, भूतकाल, भविष्यत् काल।

1. वर्तमान काल (चल रहा समय) – स्कूल बस आ गई।
2. भूतकाल (बीता हुआ समय) – स्कूल बस चली गई।
3. भविष्यत् काल (आने वाला समय) – स्कूल बस आएगी।

(ग) भूतकाल क्या बताता है?

भूतकाल कार्य का बीते हुए समय में होना बताता है।

(घ) वर्तमान काल और भविष्यत् काल में क्या अंतर है?

वर्तमान काल में कार्य के चल रहे समय में होने की जानकारी मिलती है तथा भविष्यत् काल में कार्य के आने वाले समय में होने का पता चलता है।

2. संकेत के आधार पर क्रिया का काल बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए।

(क) हम कल सरकस देखने गए। (भविष्यत् काल)

हम कल सरकस देखने जाएँगे।

(ख) तुम बाज़ार जाओगे। मेरे लिए फल लाओगे। (भूतकाल)

तुम बाज़ार गए थे। मेरे लिए फल लाए थे।

(ग) उसने बैंक से रुपये निकाले। (वर्तमान काल)

वह बैंक से रुपये निकाल रहा है।

3. दिए गए वाक्यों का काल पहचानकर लिखिए।

(क) पूरब से सूर्य उगा फैला उजियारा। **वर्तमान काल**

(ख) मिताली नए कपड़े सिलवाएगी। **भविष्यत् काल**

(ग) हवा चल रही है। **वर्तमान काल**

(घ) शांतना अच्छी अंग्रेज़ी बोलती है। **वर्तमान काल**

(ङ) गरिमा चुटकुला सुनकर ज़ोर-से हँसी। **भूतकाल**

(च) हम छुट्टियाँ बिताने गोवा जाएँगे। **भविष्यत् काल**

4. तीनों कालों में प्रयोग करते हुए दी गई क्रियाओं से वाक्य बनाइए।

(क) जाना

वर्तमान काल – गरिमा विद्यालय जा रही है।

भूतकाल – गरिमा विद्यालय गई थी।

भविष्यत् काल – गरिमा विद्यालय जाएगी।

(ख) खिलना

वर्तमान काल – फूल खिलते हैं। / खिल रहे हैं।

भूतकाल – फूल खिले थे।

भविष्यत् काल – फूल खिलेंगे।

(ग) देना

वर्तमान काल – राजन बंदर को केला दे रहा है।

भूतकाल – राजन ने बंदर को केला दिया।

भविष्यत् काल – राजन बंदर को केला देगा।

रचनात्मक गतिविधि

यह एक बाज़ार का दृश्य है। जहाँ लोग खरीदारी कर रहे हैं। चित्र को देखिए और तीनों कालों से संबंधित कुछ वाक्य बनाइए।

यह बाज़ार का दृश्य है। यह बाज़ार प्रत्येक रविवार को लगता है। दुकानदार अपना सामान बेच रहे हैं। यहाँ तरबूज़ भी मिल रहे होंगे। एक महिला ने सब्ज़ीवाले से लौकी का दाम पूछा। वह अन्य सब्ज़ियाँ खरीद चुकी है। स्त्री को आलू लेने थे

पर आलू बेचने वाले जा चुके थे। अब बस अन्य सब्ज़ीवाले सब्ज़ियाँ बेच रहे थे। शायद कुछ और सब्ज़ीवाले भी जा चुके होंगे। यदि वह थोड़ा जल्दी आती तो आलू भी मिल जाते। अब वह कल दूसरे बाज़ार से आलू लाएगी। शायद वहाँ उसे और भी अच्छी सब्ज़ियाँ मिल जाएँ।

कालों के उचित क्रिया शब्द लिखिए।

भूतकाल – खाया, गया, हुआ, पढ़ा।

भविष्यत् काल – खाएगा, जाएगा, होगा, पढ़ेगा।

वर्तमान काल – खा रहा है, जा रहा है, हो रहा है, पढ़ता है।

12. अविकारी या अव्यय

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) अव्यय किसे कहते हैं। भेद सहित लिखिए।

जिन शब्दों पर लिंग, वचन, कारक, काल आदि का कोई प्रभाव नहीं पड़ता, जो ज्यों के त्यों बने रहते हैं अव्यय या अविकारी शब्द कहलाते हैं। अव्यय के चार भेद हैं– क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक तथा विस्मयादिबोधक।

(ख) क्रियाविशेषण के कितने भेद हैं? प्रत्येक का एक-एक उदाहरण लिखिए।

जो विशेषण क्रिया की विशेषता बताते हैं, वे क्रियाविशेषण कहलाते हैं।

क्रियाविशेषण के चार भेद हैं–

1. कालवाचक क्रियाविशेषण – मधु <u>सदा</u> हँसती रहती है।
2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण – मंदिर के <u>सामने</u> लोग खड़े हैं।
3. रीतिवाचक क्रियाविशेषण – खरगोश <u>तेज़</u> दौड़ता है।
4. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण – गर्मी में <u>अधिक</u> पानी पीना चाहिए।

(ग) विशेषण कब क्रियाविशेषण बन जाता है? लिखिए।

विशेषण जब क्रिया की विशेषता बताता है, तब वह क्रियाविशेषण बन जाता है।

(घ) संबंधबोधक किसे कहते हैं?

वे अव्यय शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम के साथ लगकर उनका संबंध वाक्य में आए अन्य संज्ञा या सर्वनाम शब्दों से जोड़ते हैं, संबंधबोधक कहलाते हैं।

(ङ) समुच्चयबोधक अव्यय क्या कार्य करते हैं?

ये अव्यय शब्द दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को आपस में जोड़ते हैं।

(च) विस्मयादिबोधक कौन-कौन से भाव प्रकट करते हैं?

विस्मयादिबोधक आश्चर्य, हर्ष, शोक, घृणा, चेतावनी, संबोधन आदि भावों को प्रकट करते हैं।

2. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाविशेषण रेखांकित करें और उनका भेद भी लिखिए।

(क) अब तो जागो मोहन प्यारे। **कालवाचक क्रियाविशेषण**

(ख) धीरे-धीरे आँखें खोलो। **रीतिवाचक क्रियाविशेषण**

(ग) जितना खाओ उतना ही प्लेट में डालो। **परिमाणवाचक क्रियाविशेषण**

(घ) यहाँ तुम्हारी दाल नहीं गलेगी। **स्थानवाचक क्रियाविशेषण**

3. दिए गए वाक्यों में एक ही शब्द विशेषण और क्रियाविशेषण है, रेखांकित करके रूप लिखिए।

(क) उसे अच्छी किताबें चाहिए। **विशेषण**

वह अच्छी तरह खेलेगा। **क्रियाविशेषण**

(ख) वह सही आदमी है। **विशेषण**

तुम सही तरह से देख लो। **क्रियाविशेषण**

(ग) उसकी आँखें सुंदर हैं। **विशेषण**

वह सुंदर लिख रहा है। **क्रियाविशेषण**

4. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन पदों का अव्यय भेद लिखिए।

(क) पंकज ने पत्र डाक पेटी **के अंदर** डाल दिया। **संबंधबोधक**

(ख) **हे राम!** यह क्या हो गया? **विस्मयादिबोधक**

(ग) वर्षा तेज़ थी, **इस कारण** मुझे देर हो गई। **समुच्चयबोधक**

(घ) मकड़ी दीवार **के ऊपर** चढ़ रही है। **संबंधबोधक**

(ङ) जल्दी चलो **अन्यथा** गाड़ी छूट जाएगी। **समुच्चयबोधक**

5. दिए गए शब्दों का क्रियाविशेषण एवं संबंधबोधक के रूप में प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।

(क) बाद – गौरी **बाद** में आएगी। मीना **के बाद** गौरी आएगी।

(ख) नीचे – **नीचे** गहरी खाई थी। मेज़ **के नीचे** बिल्ली बैठी है।

(ग) सामने – मेरे **सामने** खाना रखा था। मंदिर **के सामने** भिखारी बैठा था।

6. निम्नलिखित वाक्यों में से समुच्चयबोधक अव्यय छाँटकर लिखिए।

(क) वह मेहनती ही नहीं बल्कि बुद्धिमान भी है। **बल्कि**

(ख) अमित इतना लंबा है मानो खजूर का पेड़। **मानो**

(ग) बादल छाएँगे तो वर्षा होगी ही। **तो**

(घ) तेज़ चलो ताकि गाड़ी मिल जाए। **ताकि**

7. उचित क्रियाविशेषण से वाक्य पूरे कीजिए।

(क) चलो तुम्हें **कुछ** तो अक्ल आई। (कुछ, कहीं)

(ख) **कितनी** बार कहा है, सड़क देखकर पार किया करो। (इतना, कितनी)

(ग) उठो **यहाँ** से, कहीं और जाकर बैठो। (कहाँ, यहाँ)

(घ) **धीरे** बोलो, बच्चा सो रहा है। (ठीक, धीरे)

8. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) क्रियाविशेषण **क्रिया की विशेषता** के बारे में बताता है।

(ख) जो क्रियाविशेषण क्रिया के परिमाण के विषय में बताते हैं **परिमाणवाचक क्रियाविशेषण** कहलाते हैं।

(ग) स्थानवाचक क्रियाविशेषण क्रिया के **स्थान** की जानकारी देता है।

बहुविकल्पी प्रश्न

9. उचित विकल्प चुनिए।

(क) कालवाचक क्रियाविशेषण नहीं है –

(i) कभी-कभी ☐ (ii) शीघ्र ☑

(iii) पहले ☐ (iv) सदा ☐

(ख) रीतिवाचक क्रियाविशेषण है –

(i) अब ☐ (ii) यहाँ ☐ (iii) इतना ☐ (iv) जैसे ☑

(ग) संबंधबोधक का उदाहरण नहीं है –

(i) के सिवा ☐ (ii) के अलावा ☐

(iii) बाहर ☑ (iv) के पीछे ☐

(घ) पौधों को पानी दो _____ पौधे सूख जाएँगे।

(i) वरना ☑ (ii) इसलिए ☐ (iii) मगर ☐ (iv) तो ☐

(ङ) प्रशंसाबोधक अव्यय है –

(i) क्या ☐ (ii) हाय ☐

(iii) क्या खूब ☑ (iv) उफ़ ☐

रचनात्मक गतिविधि

निम्नलिखित पंक्तियों में बॉक्स में से उचित क्रियाविशेषण चुनकर रिक्त स्थान पूरे कीजिए।

पास	खूब	बाहर	सरपट	हर दिन	तेज़ी से	बहुत
जैसे-जैसे	इधर-उधर	सामने	निकट	यहीं	झटपट	परसों

जैसे-जैसे दिन ढल रहा था। राजू की मंज़िल **निकट** आ रही थी। वह गाँव तक **झटपट** पहुँच जाना चाहता था। उसे अपनी माँ को अपने **सामने** देखने की इच्छा थी। गाँव से **बाहर** रहकर उसने धन तो **बहुत** कमा लिया, लेकिन माँ को **हर दिन** भुलाता रहा। उसे **परसों** माँ की बीमारी का समाचार मिला।

समाचार पाकर वह **सरपट** दौड़ पड़ा, माँ से मिलने। घर पहुँचकर उसने **तेज़ी से** दरवाज़ा खोला। वह माँ से लिपटकर **खूब** रोया। उसने निश्चय किया कि वह अब **यहीं** रहेगा।

13. शब्द-भंडार

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए।

(क) सूर्य — **सूरज** **रवि**

(ख) हवा — **अनिल** **समीर**

(ग) पानी — **वारि** **तोय**

(घ) नदी — **सरिता** **सलिला**

(ङ) इच्छा — **आकांक्षा** **चाह**

(च) पर्वत — **पहाड़** **गिरि**

2. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

(क) जन्म × **मृत्यु** (ख) जड़ × **चेतन**

(ग) सार्थक × **निरर्थक** (घ) कटु × **मधुर**

(ङ) ऋणी × **उऋण** (च) मूक × **वाचाल**

(छ) निर्माण × **विध्वंस** (ज) स्तुति × **निंदा**

3. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन शब्दों के विलोम शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए।

(क) भारत में **एक** नहीं **अनेक** धर्म हैं।

(ख) **आशा** का दामन कभी मत छोड़ो, वरना **निराशा** ही हाथ लगेगी।

(ग) मित्र वह होता है जो हमें **उत्थान** की ओर ले जाए, **पतन** की तरफ़ नहीं।

(घ) बीमार व्यक्ति को **ठोस** चीज़ों का नहीं, **तरल** चीज़ों का अधिक सेवन करना चाहिए।

(ङ) आजकल **योगी** कम, **भोगी** अधिक मिलते हैं।

4. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन अर्थ दिए गए हैं। इनमें से गलत अर्थ को रेखांकित कीजिए।

(क) कार्य – प्रयोजन, <u>अर्थ</u>, काम (ख) कनक – गेहूँ, सोना, <u>मैथी</u>

(ग) आदर्श – <u>क्रूर</u>, नमूना, उदाहरण (घ) दल – पक्ष, समूह, <u>पीठ</u>

(ङ) प्राण – <u>मन</u>, वायु, जीवन (च) लाल – एक रंग, बेटा, <u>परिणाम</u>

5. निम्नलिखित समरूपी भिन्नार्थक शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कर अंतर स्पष्ट कीजिए।

(क) **अनल** – कल रात अनल ने सब फ़सल जलाकर राख कर दी।

अनिल – मलय पर्वत की ओर से आने वाली मधुर अनिल को मलयानिल कहते हैं।

(ख) **कपट** – कृष्ण को मारने के लिए कंस ने बहुत छल-कपट किया।

कपाट – महल के सब कपाट बंद कर दिए गए।

(ग) **कोष** – अलीबाबा को कोष इसलिए मिला क्योंकि वह नेक था।

कोश – विभिन्न भाषाओं के शब्दकोश हमारा ज्ञान बढ़ाते हैं।

6. निम्नलिखित वाक्यों में अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करते हुए वाक्य दोबारा लिखिए।

(क) **मयंक विश्वास के योग्य व्यक्ति है।**

मयंक विश्वसनीय व्यक्ति है।

(ख) **शिष्यों को गुरु की आज्ञा का पालन करने वाला होना चाहिए।**

शिष्यों को आज्ञाकारी होना चाहिए।

(ग) **सौरभ नियमों के अनुसार चलता है।**

सौरभ नियमानुसार चलता है।

(घ) **ताजमहल की तुलना नहीं की जा सकती।**

ताजमहल अतुलनीय है।

(ङ) **माधव नमन का छोटा भाई है।**

माधव नमन का अनुज है।

बहुविकल्पी प्रश्न

7. उचित विकल्प चुनिए।

(क) 'सरस्वती' का पर्यायवाची नहीं है –

(i) भारती ☐ (ii) शारदा ☐ (iii) वाणी ☐ (iv) वसुंधरा ☑

(ख) सही विलोम से रिक्त स्थान भरिए –

व्यापार करने से पहले लाभ- _____ के बारे में सोच लेना।

(i) नुकसान ☐ (ii) हानि ☑ (iii) अलाभ ☐ (iv) लोभ ☐

(ग) उचित अनेकार्थी शब्द चुनिए – मुझे बहुत ही आवश्यक _____ से बनारस जाना है।

(i) व्यवसाय ☐ (ii) प्रयोजन ☐ (iii) कार्य ☑ (iv) कृत्य ☐

(घ) 'अपना ही भला चाहने वाला' – वाक्यांश के लिए एक शब्द है –

(i) स्वार्थी ☑ (ii) कृतघ्न ☐

(iii) परोपकारी ☐ (iv) निर्लज्ज ☐

रचनात्मक गतिविधि

वर्ग पहेली में पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी एवं अनेक शब्दों के लिए एक शब्द छिपे हैं। निम्नलिखित संकेतों को पढ़िए और उचित शब्द ढूँढ़िए।

(क) जो सभी जगह सरलता से पाया जाए – **सुलभ**

(ख) बाग, बगीचा जहाँ लोग घूमने जाते हैं – **उपवन**

(ग) रात के बाद आने वाला – **दिन**

(घ) सरिता का समानार्थी – **नदी**

(ङ) जो किसी के प्रति निष्पक्ष न हो – **पक्षपाती**

(च) एक शब्द जो बड़े भाई, मित्र के लिए प्रयोग होता है – **तात**

(छ) जिसे हाथ से लिखा जाए – **हस्तलिखित**

(ज) जो ठोस न हो – **तरल**

(झ) समीर का पर्यायवाची – **हवा**

(ञ) सारथी, धागे के लिए मान्य एक शब्द – **सूत**

(ट) अनादर का विपरीत अर्थ – **आदर**

(ठ) जो बहुत बोलता हो – **वाचाल**

(ड) अनावृष्टि का उलटा – **अतिवृष्टि**

सु	उ	प	ह	वा	यु
ल	प	क्ष	स्त	सू	त
भ	व	पा	लि	आ	वा
दि	न	ती	खि	द	चा
छ	दी	ता	त	र	ल
अ	ति	वृ	ष्टि	क्ष	ञ

14. उपसर्ग व प्रत्यय

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) उपसर्ग किसे कहते हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

किसी शब्द के पहले जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन लाने वाले शब्द या शब्दांश उपसर्ग कहलाते हैं; जैसे – 'धर्म' शब्द में 'अ' उपसर्ग के जुड़ने पर वह विपरीत अर्थ देने लगता है। अ + धर्म = अधर्म

(ख) प्रत्यय से आप क्या समझते हैं? दो उदाहरण देते हुए समझाइए।

किसी शब्द के पीछे जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन या विशेषता लाने वाले शब्दांश 'प्रत्यय' कहलाते हैं; जैसे – समाज + इक = सामाजिक, सज्जा + इत = सज्जित

2. दिए गए उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए।

(क) निर् निर्जीव, निर्दोष (ख) कु कुचाल, कुरूप

(ग) अभि अभिमान, अभिशाप (घ) वि विशेष, विफल

3. दिए गए प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाइए।

(क) इक साप्ताहिक, मौलिक। (ख) आई पढ़ाई, लिखाई।

(ग) ईला कँटीला, नुकीला। (घ) आहट घबराहट, मुसकराहट

4. निम्नलिखित शब्दों में जुड़े उपसर्ग, प्रत्यय एवं मूल शब्दों को अलग कीजिए।

	उपसर्ग	**मूल शब्द**	**प्रत्यय**
अज्ञानता	अ	ज्ञान	ता
अपठित	अ	पाठ	इत
सुगंधित	सु	गंध	इत
सफलता	स	फल	ता
बेईमानी	बे	ईमान	ई

5. नीचे दिए शब्दों में उपसर्ग या प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए।

(क) डर **निडर** (ख) सज्जा **सजावट**

(ग) दंड **दंडित** (घ) जीव **निर्जीव**

(ङ) कथ **कथा** (च) ऊँचा **ऊँचाई**

6. नीचे लिखे शब्दों में प्रत्यय लगाकर दो-दो नए शब्द बनाइए।

(क) मनुष्य **मनुष्यता, मानुषिक** (ख) शिक्षा **शिक्षित, शैक्षिक**

(ग) लिख **लिखाई, लिखावट** (घ) सच्चा **सच्चाई, सच्ची**

(ङ) शक्ति **शक्तिहीन, शक्तिशाली** (च) लज्जा **लज्जाहीन, लज्जित**

बहुविकल्पी प्रश्न

7. उचित विकल्प चुनिए।

(क) 'वि' उपसर्ग वाला शब्द छाँटिए।

(i) विभा ☐ (ii) विद्वान ☐ (iii) वित्त ☐ (iv) विदेश ☑

(ख) 'आई' प्रत्यय किस शब्द में नहीं है?

(i) चिकनाई ☐ (ii) चतुराई ☐ (iii) चौलाई ☑ (iv) धुलाई ☐

(ग) 'ना' उपसर्ग वाला शब्द नहीं है –

(i) नागपुर ☑ (ii) नालायक ☐ (iii) नापसंद ☐ (iv) नाबालिग ☐

(घ) 'लज्जा' शब्द में उचित प्रत्यय जुड़ेगा –

(i) ईला ☐ (ii) इत ☑ (iii) त्व ☐ (iv) आई ☐

रचनात्मक गतिविधि

उपसर्ग-प्रत्यय युक्त शब्द बनाइए।

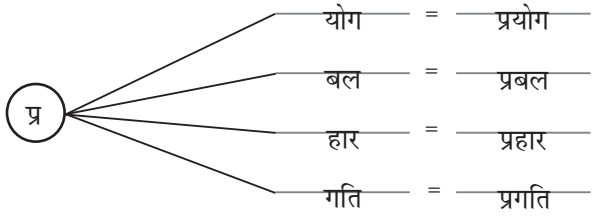

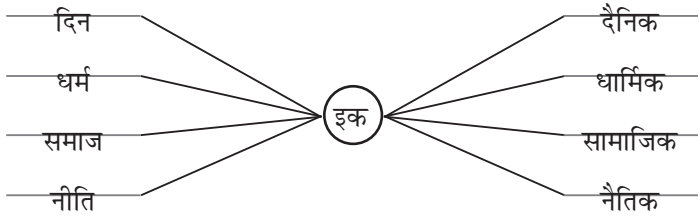

15. संधि

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) संधि की परिभाषा उदाहरण सहित दीजिए।

वर्णों के परस्पर मिलने से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे संधि कहते हैं। इसमें पहले शब्द के अंतिम वर्ण तथा दूसरे शब्द के पहले वर्ण में संधि होती है। जैसे – पर + उपकार = परोपकार। इसमें 'पर' का 'र' (अ) तथा 'उपकार' का 'उ' मिलकर 'रो' (ओ) बन गए हैं।

(ख) स्वर संधि के कितने भेद हैं? नाम सहित दो-दो उदाहरण भी दीजिए।

स्वर संधि के पाँच भेद हैं–

(i) दीर्घ संधि – लघु + उत्तर = लघूत्तर, कवि + इंद्र = कवींद्र

(ii) गुण संधि – महा + ईश = महेश, सूर्य + ऊष्मा = सूर्योष्मा

(iii) यण संधि – अति + अंत = अत्यंत, प्रति + एक = प्रत्येक

(iv) वृद्धि संधि – सदा + एव = सदैव, वन + औषध = वनौषध

(v) अयादि संधि – छात्र अगली कक्षा में जानेंगे।

(ग) संधि और संधि-विच्छेद में अंतर बताइए।

शब्द या शब्दांश के अंतिम वर्ण का मेल दूसरे शब्द या शब्दांश के पहले वर्ण के साथ होने की क्रिया संधि कहलाती है, जिससे नया शब्द बनता है। संधि से बने नए शब्द को पुनः अलग करने की क्रिया संधि-विच्छेद कहलाती है।

2. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए।

(क) परम + औषध = **परमौषध**

(ख) सदा + एव = **सदैव**

(ग) लघु + उत्तर = **लघूत्तर**

(घ) वधू + उत्सव = **वधूत्सव**

(ङ) देव + इंद्र = **देवेंद्र**

(च) परम + औदार्य = **परमौदार्य**

3. संधि-विच्छेद कर शब्दों को दो कॉलम में रखा गया है। दोनों का उचित मिलान कीजिए और लिखिए।

कॉलम 'क'	**कॉलम 'ख'**	
कपि	ऊन	**कपीश**
सम्	अंत	**संतोष**
महा	ते	**महोदय**
नि	ईश	**न्यून**
अति	उदय	**अत्यंत**
नमः	तोष	**नमस्ते**

4. निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए।

(क) नदीश **नदी** + **ईश** (ख) महात्मा **महा** + **आत्मा**

(ग) देवालय **देव** + **आलय** (घ) महर्षि **महा** + **ऋषि**

(ङ) तल्लीन **तत्** + **लीन** (च) निर्धन **निः** + **धन**

5. संधि-विच्छेद पहचानते हुए सही (✓) अथवा गलत (✗) का निशान लगाइए।

(क)	सन्मार्ग = सम् + मार्ग	✓	(ख)	जगदीश = जग + दीश	✗
(ग)	दिग्गज = दिक् + गज	✓	(घ)	मनोविकार = मनः + विकार	✓
(ङ)	नमस्ते = नमः + ते	✓	(च)	महर्षि = मह + ऋषि	✗

6. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद का सही उत्तर कौन-सा है?

न्यून = न्यू + न	☐	नि + ऊन	✓
स्वच्छ = स्व + अच्छ	☐	सु + अच्छ	✓
शयन = श + अयन	☐	शे + अन	✓
गायक = गै + अक	✓	गा + यक	☐

बहुविकल्पी प्रश्न

7. उचित विकल्प चुनिए।

(क) वृद्धि संधि का उदाहरण नहीं है–

(i) सदैव ☐ (ii) परमौज ☐ (iii) नदीश ✓ (iv) महौषध ☐

(ख) किस संधि भेद में अ, आ का योग इ, ई, उ, ऊ, ऋ से होने पर ए, ओ, अर् हो जाते हैं –

(i) गुण ☐ (ii) यण् ☑ (iii) वृद्धि ☐ (iv) अयादि ☐

(ग) दीर्घ संधि में होते हैं –

(i) दो स्वर ☐ (ii) दो समान स्वर ☑

(iii) स्वर + व्यंजन ☐ (iv) व्यंजन + विसर्ग ☐

(घ) व्यंजन संधि का उदाहरण है –

(i) महोत्सव ☐ (ii) तल्लीन ☑ (iii) निर्धन ☐ (iv) नाविक ☐

रचनात्मक गतिविधि

निम्नलिखित गद्यांश में से ऐसे शब्द छाँटिए, जिनकी संधि हो सकती है। संधि कर गद्यांश दोबारा लिखिए।

दामोदर सत् चरित्र एवं महा आत्मा थे। उनकी दया की कहानियाँ सदा एव लोग दोहराते थे। उनके अंदर बहुत सम् तोष था। वे जहाँ भी जाते यथा उचित सम् मान पाते। उन्हें जानने वाला प्रति एक व्यक्ति उनकी संगति चाहता था। वे गाने में भी दिक् गज थे। जब वे गाने में तत् लीन हो जाते, तो उन्हें सुधबुध नहीं रहती थी।

दामोदर सच्चरित्र एवं महात्मा थे। उनकी दया की कहानियाँ सदैव लोग दोहराते थे। उनके अंदर बहुत संतोष था। वे जहाँ भी जाते यथोचित सम्मान पाते। उन्हें जानने वाला प्रत्येक व्यक्ति उनकी संगति चाहता था। वे गाने में भी दिग्गज थे। जब वे गाने में तल्लीन हो जाते, तो उन्हें सुधबुध नहीं रहती थी।

16. वाक्य-विचार

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) वाक्य किसे कहते हैं?

व्याकरण के नियमों में बँधा शब्दों का सार्थक एवं व्यवस्थित समूह वाक्य कहलाता है।

(ख) वाक्य के अंगों के बारे में बताइए।

वाक्य के दो अंग होते हैं – उद्देश्य और विधेय। वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं। वाक्य में उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाए, वह विधेय कहलाता है।

(ग) रचना के आधार पर वाक्य के भेद बताइए।

रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद हैं–

1. सरल वाक्य 2. संयुक्त वाक्य 3. मिश्र वाक्य

(घ) अर्थ के आधार पर वाक्य के कितने भेद हैं? नाम लिखिए।

अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद हैं–

1. विधानवाचक 2. प्रश्नवाचक 3. विस्मयादिबोधक 4. आज्ञार्थक
5. इच्छावाचक 6. संकेतवाचक 7. निषेधवाचक 8. संदेहवाचक

2. वाक्य के संबंध में जो कथन गलत हैं, उन पर गलत का निशान (✗) लगाइए।

(क) वाक्य में शब्द नहीं पद होते हैं। ✓

(ख) वाक्य एक पद के भी हो सकते हैं। ✗

(ग) अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं। ✓

(घ) इच्छावाचक और आज्ञावाचक वाक्य में कोई अंतर नहीं होता। ✗

(ङ) मिश्र वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य होता है। ✓

3. निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए।

(क) **आप बहुत ईमानदार हैं।** **(विस्मयवाचक)**

वाह! आप बहुत ईमानदार हैं।

(ख) **शायद आज ट्रेन देर से आए।** **(निषेधवाचक)**

शायद आज ट्रेन समय पर न आए।

(ग) **तुम विद्यालय नहीं जा रहे।** **(आज्ञावाचक)**

तुम विद्यालय मत जाओ।

(घ) **काव्या खेल रही है।** **(प्रश्नवाचक)**

क्या काव्या खेल रही है?

(ङ) **आज बहुत वर्षा हुई है।** **(संदेहवाचक)**

हो सकता है आज वर्षा हो।

4. निम्नलिखित वाक्यों का प्रकार पहचानकर नाम लिखिए।

(क) पिता जी ने डाँटा और करण रोने लगा। **संयुक्त**

(ख) जैसे ही सुबह हुई, वैसे ही पक्षी चहचहाने लगे। **मिश्र**

(ग) मैंने एक सुंदर पेन खरीदा। **सरल**

(घ) तुम उस स्थान पर जाओ, जहाँ सब खड़े हैं। **मिश्र**

(ङ) माँ ने कहा कि सब खाना खा लो। **मिश्र**

(च) राधिका सुबह से खेल रही है। **सरल**

(छ) क्या तुम्हारी परीक्षाएँ समाप्त हो गईं? **प्रश्नवाचक**

बहुविकल्पी प्रश्न

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) ईश्वर तुम्हें लंबी आयु दे। – अर्थ के आधार पर वाक्य का प्रकार है –

(i) आज्ञावाचक ☐ (ii) इच्छावाचक ☑

(iii) विधानवाचक ☐ (iv) संकेतवाचक ☐

(ख) सचिन के पिता मुंबई में इंजीनियर हैं। – वाक्य में उद्देश्य है –

(i) सचिन ☐ (ii) पिता ☐

(iii) सचिन के पिता ☑ (iv) मुंबई ☐

(ग) वह महिला गाड़ी लाई। – वाक्य में विधेय है –

(i) वह महिला ☐ (ii) गाड़ी लाई ☑

(iii) गाड़ी ☐ (iv) लाई ☐

(घ) संयुक्त वाक्य में कौन-सा योजक नहीं आता?

(i) कि ☑ (ii) अथवा ☐ (iii) और ☐ (iv) किंतु ☐

रचनात्मक गतिविधि

दी गई कविता की पंक्तियों को गद्य रूप में लिखिए और यह पहचानने का प्रयास कीजिए कि बनाए गए वाक्यों के भेद कौन-से हैं?

अभी न होगा मेरा अंत
अभी-अभी ही तो आया है
मेरे वन में मृदुल वसंत
अभी न होगा मेरा अंत
हरे-हरे ये पात,
डालियाँ, कलियाँ, कोमल गात।
मैं ही अपना स्वप्न-मृदुल-कर
फेरूँगा निद्रित कलियों पर
जगा एक प्रत्यूष मनोहर।
पुष्प-पुष्प से तंद्रालस लालसा खींच लूँगा मैं,
अपने नव जीवन का अमृत सहर्ष सींच दूँगा।

अभी मेरा अंत नहीं होगा। अभी-अभी तो मेरे वन में मृदुल वसंत आया है। अभी मेरा अंत नहीं होगा। ये हरे-हरे पात, डालियाँ, कलियाँ और कोमल गात। मैं अपना स्वप्न-मृदुल-कर जगा प्रत्यूष मनोहर निद्रित कलियों पर फेरूँगा। मैं पुष्प-पुष्प से तंद्रालस लालसा खींच लूँगा। अपने नव-जीवन का अमृत सहर्ष सींच दूँगा।

17. शब्द और वाक्य की अशुद्धियाँ

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए।

(क)	सन्यास	**संन्यास**	(ख)	उज्जवल	**उज्ज्वल**
(ग)	अनाधिकार	**अनधिकार**	(घ)	ऋन	**ऋण**
(ङ)	अगामी	**आगामी**	(च)	आवशयकता	**आवश्यकता**
(छ)	घनिष्ट	**घनिष्ठ**	(ज)	अभिप्राय:	**अभिप्राय**
(झ)	कँगन	**कंगन**	(ञ)	क्रश्न	**कृष्ण**

2. सही वर्तनी वाला रूप पहचानकर (✓) लगाइए।

(क)	चंदन	✓	चँदन		चनदन		
(ख)	मिट्टी	✓	मट्टी		मिटटी		
(ग)	श्रीमति		श्रीमती	✓	श्रीमिती		
(घ)	कृपा	✓	किरपा		क्रपा		

3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए।

(क) **आपके माता जी आ गए।**

आपकी माता जी आ गईं।

(ख) **अध्यापिका पढ़ा रहा है।**

अध्यापिका पढ़ा रही हैं।

(ग) **आपसे अनेकों बार कहा है।**

आपसे अनेक बार कहा है।

(घ) **मेरे कहने के बावजूद भी तुम नहीं गया।**

मेरे कहने के बावजूद भी तुम नहीं गए।

(ङ) **मुझको भी जाना है।**

मुझे भी जाना है।

(च) **खरगोश को काटकर गाजर खिलाओ।**

खरगोश को गाजर काटकर खिलाओ।

(छ) **क्या तुमने बात कर लिया है?**

क्या तुमने बात कर ली है?

(ज) **पिता जी तुम्हें बुलाए हैं।**

पिता जी ने तुम्हें बुलाया है।

(झ) **लड़का घोड़ा की सवारी कर रहा था।**

लड़का घोड़े की सवारी कर रहा था।

(ञ) **पेड़ में बंदर कूद रहे हैं।**

पेड़ पर बंदर कूद रहे हैं।

बहुविकल्पी प्रश्न

4. उचित विकल्प चुनिए।

(क) 'अत्याधिक' शब्द में किससे संबंधी अशुद्धि है?

(i) इ/ई ☐ (ii) ए/ऐ ☐ (iii) अ/आ ☑ (iv) उ/ऊ ☐

(ख) 'उ/ऊ' संबंधी अशुद्धि वाला शब्द है–

(i) गुरु ☐ (ii) शुन्य ☑ (iii) रुपया ☐ (iv) साधु ☐

(ग) 'स/ष/श' की अशुद्धि वाला शब्द छाँटिए।

(i) सृष्टि ☐ (ii) नमश्कार ☑ (iii) ईश्वर ☐ (iv) श्रीमती ☐

(घ) 'उसकी पढ़ाई पूरा हो गया।' वाक्य में अशुद्धि है–

(i) वचन ☐ (ii) लिंग की ☑

(iii) क्रिया की ☐ (iv) विशेषण की ☐

रचनात्मक गतिविधि

अशुद्ध शब्दों को रेखांकित करके नीचे उनका शुद्ध शब्द लिखिए।

मीत्र की पहचान विपत्ती पढ़ने पर ही होती है। जब मनुश्य संकट में होता है तो उसे चारों और निरासा ही नज़र आती है। ऐसे में मनुश्य को साहस नहिं छोडना चाहिए।

शुद्ध शब्द – मित्र की पहचान विपत्ति पड़ने पर ही होती है। जब मनुष्य संकट में होता है तो उसे चारों ओर निराशा ही नज़र आती है। ऐसे में मनुष्य को साहस नहीं छोड़ना चाहिए।

18. विराम-चिह्न

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) अल्पविराम और अर्धविराम कब लगाया जाता है?

पढ़ते-लिखते समय जहाँ बहुत कम देर के लिए ठहरने का संकेत देना हो, तथा संज्ञाओं, संख्याओं के बाद भी अल्पविराम का प्रयोग होता है। अर्धविराम का प्रयोग अल्पविराम से थोड़ा अधिक देर और पूर्णविराम से थोड़ा कम देर रुकने पर लगाया जाता है।

(ख) निर्देशक और योजक चिह्न कहाँ प्रयुक्त होते हैं?

निर्देशक चिह्न का प्रयोग अधिकतर निर्देश या उदाहरण देने के लिए होता है।

दो संबंधित शब्दों के बीच में उनके जुड़ाव को दर्शाने के लिए योजक चिह्न का प्रयोग होता है।

(ग) उद्धरण चिह्न के प्रयोग वाले दो उदाहरण दीजिए।

1. महात्मा गांधी जी ने कहा था, "करो या मरो।"
2. नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने कहा, "चलो दिल्ली।"

2. विराम चिह्नों के लिए प्रयुक्त होने वाले चिह्न लिखिए।

(क) पूर्णविराम	।	(ख) योजक	-
(ग) उद्धरण चिह्न	" "	(घ) कोष्ठक	( )
(ङ) निर्देशक	–	(च) विस्मयादिबोधक	!

3. उचित विराम चिह्न लगाइए।

(क) **नेताजी ने कहा तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा**

नेताजी ने कहा, "तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।"

(ख) **मोहन कविता नम्रता और निमिश क्या पूछ रहे थे**

मोहन, कविता, नम्रता और निमिश क्या पूछ रहे थे?

(ग) **वाह आपने क्या बात कही**

वाह! आपने क्या बात कही।

(घ) **तुम यहाँ क्या कर रहे हो**

तुम यहाँ क्या कर रहे हो?

(ङ) **जीवन में सुख दुख तो लगा ही रहता है**

जीवन में सुख-दुख तो लगा ही रहता है।

4. इन वाक्यों में गलत विराम चिह्न आ गए हैं। इनकी जगह ठीक विराम चिह्न लगाकर वाक्य पुनः लिखिए।

(क) **शाबाश। तुम अपने, पराए की पहचान रखते हो?**

शाबाश! तुम अपने-पराए की पहचान रखते हो।

(ख) **उधर क्या देख रहे हो – इधर आओ।**

उधर क्या देख रहे हो? इधर आओ।

(ग) **जल्दी करो! वरना देर हो जाएगी।**

जल्दी करो, वरना देर हो जाएगी।

(घ) **उफ़? कितनी गंदगी है यहाँ।**

उफ़ कितनी गंदगी है यहाँ।

(ङ) **रुको। ज़रा आराम से, चलो।**

रुको, ज़रा आराम से चलो।

बहुविकल्पी प्रश्न

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) वाक्य में बहुत कम ठहरने के लिए कौन-सा विराम-चिह्न प्रयोग होता है?

(i) अर्धविराम ☐ (ii) पूर्णविराम ☐

(iii) अल्पविराम ☑ (iv) प्रश्नसूचक ☐

(ख) प्रश्न करते हुए बात करने पर विराम-चिह्न प्रयोग होता है –

(i) प्रश्नसूचक ☑ (ii) योजक ☐

(iii) अद्‌र्धविराम ☐ (iv) निर्देशक ☐

(ग) विस्मयादिबोधक चिह्न बताता है –

(i) निर्देश ☐ (ii) प्रश्न ☐ (iii) भाव ☑ (iv) जुड़ाव ☐

(घ) वाक्य में किसी शब्द का अर्थ स्पष्ट करने के लिए कौन-सा विराम प्रयोग होता है?

(i) कोष्ठक ☑ (ii) निर्देशक ☐

(iii) योजक ☐ (iv) अल्पविराम ☐

रचनात्मक गतिविधि

गद्यांश में गलत विराम चिह्नों का प्रयोग हो गया है। सही विराम चिह्नों का प्रयोग कर गद्यांश दोबारा लिखिए।

रूपा ने दीया जलाया – अपने भंडार का द्वार खोला और एक थाली में संपूर्ण सामग्रियाँ सजाकर काकी की ओर चली! काकी के समीप पहुँचकर उसने कंठारुद्ध स्वर में कहा; – काकी उठो। भोजन कर लो? मुझसे आज बड़ी भूल हुई– उसका बुरा न मानना! परमात्मा से प्रार्थना कर दो कि मेरा अपराध क्षमा कर दें?" भोले, भाले बच्चों की भाँति जो मिठाइयाँ पाकर मार और तिरस्कार सब भूल जाते हैं; काकी सब भुलाकर बैठी हुई खाना खा रही थीं,

रूपा ने दीया जलाया। अपने भंडार का द्वार खोला और एक थाली में संपूर्ण सामग्रियाँ सजाकर काकी की ओर चली। काकी के समीप पहुँचकर उसने कंठारुद्ध स्वर में कहा – "काकी उठो! भोजन कर लो। मुझसे आज बड़ी भूल हुई। उसका बुरा न मानना। परमात्मा से प्रार्थना कर दो कि मेरा अपराध क्षमा कर दें।" भोले-भाले बच्चों की भाँति, जो मिठाइयाँ पाकर मार और तिरस्कार सब भूल जाते हैं, काकी सब भुलाकर बैठी हुई खाना खा रही थी।

19. मुहावरे और लोकोक्तियाँ

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) मुहावरे किसे कहते हैं?

अपने सामान्य अर्थ से अलग विशेष अर्थ देने वाले वाक्यांश मुहावरे कहलाते हैं।

(ख) लोकोक्ति किसे कहते हैं?

लोकोक्ति का अर्थ है, लोक में प्रसिद्ध बात या कहावत। लोकोक्ति का अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है। वाक्य में प्रयुक्त होकर भी यह अपना अस्तित्व बनाए रखती है।

(ग) मुहावरे और लोकोक्तियों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

मुहावरों का रूप परिवर्तनशील है। ये वाक्य के अनुसार अपना रूप लिंग-वचन, क्रिया के आधार पर बदल सकते हैं। जबकि लोकोक्तियाँ अपने मूल रूप में ही काम करती हैं। इनका प्रयोग स्वतंत्र रूप से भी संभव है।

2. मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(क) **नमक-मिर्च लगाना** – किसी बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना

(ख) **श्री गणेश करना** – आरंभ करना

(ग) **हथियार डाल देना** – हार मान लेना

(घ) **कलई खुलना** – असली चेहरा सामने आना

(ङ) **टस से मस न होना** – ज़िद पर अड़े रहना

वाक्य प्रयोग छात्र स्वयं करेंगे।

3. उचित लोकोक्ति/मुहावरे का प्रयोग करते हुए वाक्य पूरे कीजिए।

(क) आज सुबह की सैर भी हो गई और तुमसे मिलना भी, इसे कहते हैं **एक पंथ दो काज।**

(ख) तुम आ गए हो, अब मैं घी **के दीये जलाऊँगा।**

(ग) गोल करने पर कोच ने खिलाड़ी की पीठ **ठोंकी।**

(घ) मैं इस काम को पूरा करके ही **दम लूँगा।**

(ङ) मधु ने जरा-सी बात का **राई का पहाड़** बना दिया।

4. मुहावरे-लोकोक्तियों को उनके सही अर्थ से मिलाइए।

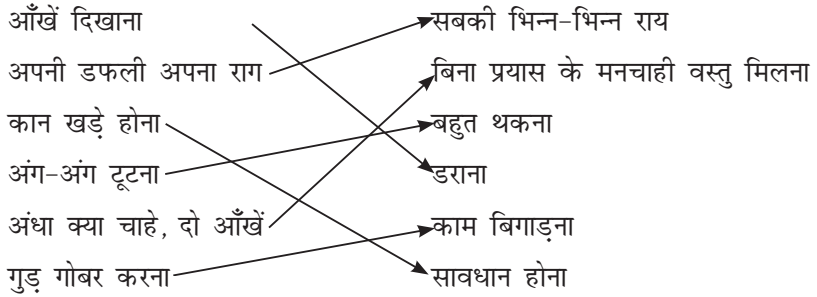

5. लोकोक्ति/मुहावरे पहचानिए। मुहावरों के नीचे रेखा खींचिए तथा लोकोक्ति पर गोला लगाइए।

तुमने सब गुड़-गोबर कर दिया। मैंने तुम्हें गागर में सागर भरने को कहा था। आँखें मत दिखाओ, मैं तुम्हें जानता हूँ तुम हो आँख के अंधे नाम नयनसुख। तुम झूठ बोलते हो और फिर टस से मस नहीं होते। चिंता मत करो थोड़ी देर में दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा।

तुमने सब गुड़-गोबर कर दिया। मैंने तुम्हें गागर में सागर भरने को कहा था। आँखें मत दिखाओ, मैं तुम्हें जानता हूँ तुम हो आँख के अंधे नाम नयनसुख। तुम झूठ बोलते हो और फिर टस से मस नहीं होते। चिंता मत करो थोड़ी देर में दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा।

मुहावरे – गुड़-गोबर कर देना; आँख दिखाना; टस से मस न होना

लोकोक्तियाँ – गागर में सागर भरना; आँख के अंधे नाम नयनसुख; दूध का दूध, पानी का पानी

6. लोकोक्तियों का सही अर्थ लिखिए।

(क) **गागर में सागर** – थोड़े शब्दों बहुत कुछ कहना

(ख) **अपनी डफली, अपना राग** – सबकी अलग-अलग राय

(ग) **खोदा पहाड़ निकली चुहिया** – अधिक परिश्रम का कम फल मिलना

(घ) **दूर के ढोल सुहावने** – दूर से हर चीज़ अच्छी लगती है

(ङ) **साँच को आँच नहीं** – सच बोलने वाले को डर कैसा

बहुविकल्पी प्रश्न

7. उचित विकल्प चुनिए।

(क) किस मुहावरे का अर्थ है–'बीच में दखल देना'।

(i) गुड़ गोबर करना ☐ (ii) उल्लू बनाना ☐

(iii) टाँग अड़ाना ☑ (iv) अगर-मगर करना ☐

(ख) 'लाल-पीला होना' मुहावरे का सही अर्थ है–

(i) क्रोधित होना ☑ (ii) लज्जित होना ☐

(iii) ज़िद पर अड़े रहना ☐ (iv) डराना ☐

(ग) इनमें से कौन-सी लोकोक्ति गलत है?

(i) अंधों में काना राजा ☐

(ii) खोदा पहाड़, निकली चुहिया ☐

(iii) नौ की लकड़ी नब्बे खर्च ☐

(iv) घर का भेदी आग लगाए ☑

(घ) सारा दिन चलते-चलते मेरा _____

(i) नानी याद आना ☐ (ii) अंग-अंग टूटना ☑

(iii) कमर टूटना ☐ (iv) आँख लगना ☐

रचनात्मक गतिविधि

नीचे कुछ मुहावरे-लोकोक्तियों को तोड़कर डाल दिया गया है। सही शब्दों को मिलाकर मुहावरे-लोकोक्तियाँ खाली स्थान में लिखिए।

पीठ	एक ही	अंधों में	टस	सहज	माथा	पके	मगर
ठोंकना	अगर	नाक	मस	न	आना	से	याद
कूदना	सो	मीठा	होना	पकड़ना	काना	होय	नानी
थैली के	फुलाना	होना	चट्टे-बट्टे	पेट में	राजा	चूहे	

पीठ ठोंकना **नानी याद आना** **अंधों में काना राजा**

पेट में चूहे कूदना **सहज पके सो मीठा होय** **अगर-मगर करना**

माथा पकड़ना **नाक फुलाना** **टस से मस न होना**

एक ही थैली के चट्टे-बट्टे होना

20. अपठित गद्यांश तथा काव्यांश

अभ्यास

दिए गए गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. कई बार हम हँसी के जरिए कई अनजान लोगों से भी जुड़ जाते हैं। स्कूल में जब कोई नया छात्र तुम्हें देखकर मुसकराता है तो तुम भी उसे देखकर मुसकरा देते होगे और फिर तुम्हारी दोस्ती हो जाती होगी। देखा, कैसे एक मुसकान ने अजनबी से पहचान करा दी। यही नहीं, हँसी हमारे मन के अंदर चल रहे तनाव को भी कम करती है। हँसने से हमारे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता मज़बूत होती है। जब हम हँसते हैं तो हमारे मस्तिष्क में सेरोटोनिन नाम का केमिकल निकलता है, जो फील गुड हार्मोन है। इसलिए हमें हँसते समय अच्छा महसूस होता है और हमारी सारी थकान दूर हो जाती है। कई बार तो हम अपने शरीर के किसी अंग में हो रहे दर्द को भी भूल जाते हैं।

(क) हँसी अनजान लोगों से पहचान कैसी कराती है?

जब विद्यालय में आया कोई नया छात्र हमें देखकर मुसकराता है तो हम भी उसकी मुसकराहट का जवाब अपनी मुसकराहट से देते हैं। ऐसे हँसी एक अनजान से हमारी पहचान कराती है।

(ख) हँसी से क्या कम होता है तथा क्या मज़बूत?

हँसी से तनाव कम होता है तथा शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता मज़बूत।

(ग) हमारे शरीर से कौन-सा कैमिकल निकलता है?

हमारे मस्तिष्क से सेरोटोनिन नामक केमिकल निकलता है।

(घ) फील गुड हार्मोन से क्या होता है?

फील गुड हार्मोन से हमें हँसते समय अच्छा महसूस होता है।

(ङ) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

शीर्षक – 'हँसी और खुशी'।

2. सावित्री के बच्चे खुशी-खुशी काली का जुलूस देखने गए। दिन ढल गया, अँधेरा हो गया पर बच्चे न लौटे। सावित्री बेचैन हो उठी। वह घबराई हुई बच्चों को भेज देने की मूर्खता पर पछताने लगी। इतने में उसे सड़क पर भागते कुछ लोग दिखाई पड़े। पूछने पर उनमें से एक ने बताया, "जुलूस में दंगा हो गया माँ जी!" सावित्री के हाथ-पैर जैसे ठंडे पड़ गए। वह पागल सी हो फूट-फूट कर रोने

लगी। तभी उसे वही चिर-परिचित स्वर सुनाई पड़ा, "अम्माँ!" वह दौड़कर बाहर गई तो पाया उसके बच्चे खान के साथ सकुशल खड़े हैं। बच्चे माँ से लिपट गए और कहने लगे, "अम्माँ, खान बहुत अच्छा है। दंगा होने पर श्यामू तो हमें छोड़कर भाग गया तब खान ने ही हमें बचाया।" बच्चों के मन में खान के लिए आया बदलाव देखकर सावित्री खुश थी।

(क) सावित्री के बच्चे कहाँ गए थे?

सावित्री के बच्चे काली का जुलूस देखने गए थे।

(ख) सावित्री बेचैन क्यों हो उठी थी?

सावित्री बेचैन हो उठी थी क्योंकि अँधेरा हो गया था और बच्चे घर लौटकर नहीं आए थे।

(ग) क्या सुनकर उसके हाथ-पैर ठंडे पड़ गए थे?

जुलूस में दंगा होने की खबर सुनकर उसके हाथ-पैर ठंडे पड़ गए।

(घ) बच्चों ने सावित्री को क्या बताया?

बच्चों ने सावित्री को बताया कि दंगा होने पर उनका नौकर श्यामू तो उन्हें छोड़कर भाग गया था तब खान ने ही उन्हें बचाया।

(ङ) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

शीर्षक – 'खान और बच्चे'

3. लोकमान्य तिलक ने न केवल अंग्रेज़ी शासन के विरुद्ध आवाज़ उठाई बल्कि उन्होंने समाज सुधारक की भूमिका भी निभाई। उन्होंने समाज में व्याप्त कुछ कुरीतियों का जमकर विरोध किया। 'बाल विवाह' जैसी कुप्रथाओं की रोकथाम के लिए उन्होंने आंदोलन चलाया। समाज में स्त्रियों की दशा देखकर वे चिंतित हो उठते थे। उन्होंने स्त्री शिक्षा को समाज में सुधार लाने का हथियार बनाया। इतना ही नहीं, उन्होंने 'विधवा विवाह' को समाज में मान्यता दिलाने की पुरज़ोर वकालत की। भारतीय समाज में लोकमान्य तिलक की लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ रही थी। इससे वे अंग्रेज़ सरकार की आँखों में खटकने लगे। परिणाम यह हुआ कि अंग्रेज़ सरकार उन्हें बार-बार जेल में डालती रही।

(क) लोकमान्य तिलक ने समाज सुधारक के रूप में कौन-सी भूमिका निभाई?

लोकमान्य तिलक ने समाज सुधारक के रूप में अंग्रेज़ी शासन के विरुद्ध आवाज़ उठाई।

(ख) लोकमान्य ने किस कुप्रथा को रोकने के लिए आंदोलन चलाया?

लोकमान्य ने बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने के लिए आंदोलन चलाया।

(ग) लोकमान्य ने किस प्रथा की पुरज़ोर वकालत की?

लोकमान्य ने विधवा विवाह को समाज में मान्यता दिलाने की पुरज़ोर वकालत की।

(घ) 'कुरीतियों' शब्द में से मूलशब्द तथा प्रत्यय अलग कीजिए।

मूलशब्द – रीति (कु – उपसर्ग) प्रत्यय – यों

(ङ) इस गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

शीर्षक – 'लोकमान्य तिलक'

4. एक बार की बात है। चार औरतें कुएँ पर पानी भर रही थीं। एक प्यासे राहगीर ने उनसे पानी माँगा। राहगीर की वेशभूषा से औरतों ने समझ लिया कि वह कोई शायर है। उन्हें मज़ाक सूझा। एक औरत ने कहा, "चरखे पर कुछ सुनाएँ तो हम पानी पिलाएँ।"

दूसरी बोली, "मुझे तो कुत्ते पर सुनना है।"

तीसरी कहाँ पीछे रहने वाली थी, बोली, "ढोल पर भी कुछ हो जाए तो मज़ा आ जाए।"

चौथी ने कहा, "मुझे तो खीर पसंद है और मैं तो उसी पर कुछ सुनना चाहती हूँ।"

राहगीर कुछ सोचकर बोला, "अच्छा, मैं ऐसी चीज़ सुनाता हूँ जिससे तुम चारों की इच्छा पूरी हो जाए। लो सुनो–

खीर पकाई जतन से और चरखा दिया चलाय,

आया कुत्ता, खा गया, तू बैठी ढोल बजाय।

औरतें खुश हुईं और उन्होंने राहगीर को पानी पिलाया। राहगीर अपनी राह बढ़ चला। जानते हैं यह राहगीर कौन था? वे थे हिंदी के प्रसिद्ध कवि अमीर खुसरो।

दिए गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए –

(क) चार औरतें कुएँ पर क्या कर रही थीं?

(i) बात कर रही थीं ☐ (ii) बैठी थीं ☐

(iii) पानी भर रही थीं ☑ (iv) पानी पी रही थीं ☐

(ख) औरतों ने किस प्रकार समझ लिया कि राहगीर कोई शायर है?

(i) वेशभूषा से ☑ (ii) बोलने से ☐

(iii) गीत गाने से ☐ (iv) ये सभी ☐

(ग) औरतों ने राहगीर को कुछ सुनाने के लिए क्यों कहा?

(i) मज़ाक के लिए ☑ (ii) भगाने के लिए ☐

(iii) डराने के लिए ☐ (iv) जानकारी के लिए ☐

(घ) तीसरी औरत ने किसपर कुछ सुनाने को कहा?

(i) चरखे पर ☐ (ii) कुत्ते पर ☐

(iii) खीर पर ☐ (iv) ढोल पर ☑

(ङ) 'सुनना' से प्रेरणार्थक क्रिया बनेगी –

(i) सुनाना ☐ (ii) सुनवाना ☑ (iii) सुना ☐ (iv) अनसुना ☐

दिए गए काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली,
दरवाज़े-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली,
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए,
बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(क) मेघ कैसा रूप-आकार लेकर आए हैं?

मेघ मेहमान की तरह सज-सँवरकर आए हैं।

(ख) मेघों के आने को किसके आने के समान कहा गया है?

मेघों के आने को गाँव में आए किसी शहरी मेहमान के आने के समान कहा है।

(ग) पेड़, आँधी, धूल और नदी पर मेघों के आने की क्या प्रतिक्रिया (असर) हुई?

मेघों के आने पर पेड़, आँधी, धूल और नदी आदि में ऐसे ही खुशी भरी हलचल मच गई जैसे गाँव में किसी शहरी मेहमान के आने पर मच जाती है।

(घ) उपर्युक्त काव्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए।

मेघों का आगमन

(ङ) 'नदी' के लिए दो पर्यायवाची शब्द दीजिए।

सरिता, सलिला

2. तिनका-तिनका लाकर चिड़िया
रचती है आवास नया।
इसी तरह से रच जाता है
सर्जन का आकाश नया।
मानव और दानव में यूँ तो
भेद नज़र नहीं आएगा।
एक पोंछता बहते आँसू
जी भर एक रुलाएगा।
रचने से ही आ पाता है
जीवन में विश्वास नया।

(क) चिड़िया तिनका-तिनका लाकर किसका निर्माण करती है?

चिड़िया तिनका-तिनका लाकर अपने लिए नया आवास बनाती है।

(ख) मानव की कौन-सी विशेषता यहाँ बताई गई है?

यहाँ मानव की दूसरे का दुख दूर करने, आँसू पोंछने की विशेषता बताई गई है।

(ग) यहाँ जी भर रुलाने वाला किसे कहा गया है?

दानव को जी-भर रुलाने वाला कहा गया है।

(घ) जीवन में नया विश्वास कहाँ से प्राप्त होता है?

सृजन से

(ङ) 'मानव' और 'दानव' शब्द में किस प्रकार का संबंध है?

विलोम

3. मत काटो तुम ये पेड़,
हैं ये लज्जावसन, इस माँ वसुंधरा के।

इस संहार के बाद
अशोक की तरह, सचमुच तुम बहुत पछताओगे
बोलो फिर किसकी गोद में, सिर छिपाओगे?
शीतल छाया, फिर कहाँ से पाओगे?
कहाँ से पाओगे फिर फल?
कहाँ से मिलेगा, शस्य श्यामला को
सींचने वाला जल?
रेगिस्तानों में तब्दील हो जाएँगे खेत
बरसेगा कहाँ से, उमड़-घुमड़कर बादल?
थके हुए मुसाफ़िर,
पाएँगे कहाँ से श्रमहारी छाया?

(क) यहाँ किसे न काटने की बात कही गई है?

(i) समय को ☐ (ii) पेड़ों को ☑
(iii) लकड़ी को ☐ (iv) फसल को ☐

(ख) पेड़ लज्जावसन हैं–

(i) धरती के ☑ (ii) आकाश के ☐
(iii) मनुष्य के ☐ (iv) प्रकृति के ☐

(ग) पेड़ों को काटने के बाद मनुष्य किसकी तरह पछताएँगे?

(i) रावण की तरह ☐ (ii) कंस की तरह ☐
(iii) अशोक की तरह ☑ (iv) चंद्रगुप्त की तरह ☐

(घ) खेत किसमें तब्दील हो जाएँगे?

(i) रेगिस्तान में ☑ (ii) महलों में ☐
(iii) वन में ☐ (iv) बंजर भूमि में ☐

(ङ) 'पेड़' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द हैं–

(i) पर्ण, दल ☐ (ii) जड़, वृक्ष ☐
(iii) वृक्ष, मरु ☐ (iv) तरु, विटप ☑

4. मंज़िल दूर नहीं है तेरी, साथी पाँव बढ़ाए जा
रास्ता जल्दी कट जाएगा, सुर में ताल मिलाए जा
इस वीराने से मत घबरा, राह ढूँढ़कर आगे बढ़ता जा
जो भी आए कूड़ा कचरा, सबको अलग हटाए जा
मंज़िल दूर नहीं है .....
मुश्किल से घबराना कैसा, थकना या सुस्ताना कैसा
राहों बीच ठिकाना कैसा, चलता जा मुसकाए जा
मंज़िल दूर नहीं है .....
ये मत सोच कि आगे क्या है, आँधी या तूफ़ान अड़ा है
ऊँचा पर्वत या दरिया है अपनी राह बनाए जा
मंज़िल दूर नहीं है .....

(क) यहाँ रास्ते के सफ़र को जल्दी पूरा करने के लिए क्या उपाय बताया गया है?

(i) तेज़ कदमों से चलना ☐ (ii) गाड़ी की रफ़्तार बढ़ाना ☐
(iii) सुर में ताल मिलाना ☑ (iv) मंजिल को पास बुलाना ☐

(ख) किससे न घबराने की बात यहाँ की गई है?

(i) दुख से ☐ (ii) वीराने से ☑
(iii) जमाने से ☐ (iv) घर जाने से ☐

(ग) कवि ने क्या न सोचने की शिक्षा यहाँ दी है?

(i) आगे क्या है? ☑ (ii) पीछे क्या था? ☐
(iii) अभी क्या चल रहा है ☐ (iv) इनमें से कोई नहीं ☐

(घ) पर्वत के उचित पर्यायवाची का चयन कीजिए।

(i) धरती ☐ (ii) पेड़ ☐ (iii) पहाड़ ☑ (iv) मिट्टी ☐

(ङ) पाँव बढ़ाए जाने का अर्थ है –

(i) पैर की लंबाई बढ़ाना ☐ (ii) मंज़िल की ओर आगे बढ़ना ☑
(iii) दूसरों से मदद माँगना ☐ (iv) पैर को आगे करना ☐